माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

आदर्श प्रश्न–बैंक

कक्षा – IX

विषय – हिन्दी सामान्य

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

अनुक्रमणिका

हिन्दी सामान्य
कक्षा 9वीं

सरल क्रमांक	विषयवस्तु का विवरण	पृष्ठ संख्या
	(निर्धारित पाठ्यपुस्तक –वासंती)	
1	**पाठ्यक्रम आधारित ब्लूप्रिंट**	**1**
2	**पद्यखंड –** पाठ्यपुस्तक आधारित–वस्तुनिष्ठ एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न	**2–32**
3	**गद्यखण्ड –** पाठ्यपुस्तक आधारित–वस्तुनिष्ठ एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न	**33–54**
4	**हिन्दी साहित्य का इतिहास** – (सामान्य परिचय) वस्तुनिष्ठ एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न	**55–59**
5	**व्याकरण –** (वस्तुनिष्ठ एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) उपसर्ग, प्रत्यय, वर्तनी संशोधन, तत्सम, तद्भव, देशज शब्द, पर्यायवाची, अनेकार्थी, विलोम शब्द। वाक्यांश के लिए एक शब्द, वाक्य शुद्धीकरण, मुहावरें, लोकोक्तियाँ।	**60–78**
6	**अपठित बोध –** (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) गद्यांश/पद्यांश – शीर्षक, सारांश एवं प्रश्न	**79–91**
7	**पत्र लेखन – अनौपचारिक/औपचारिक** (पारिवारिक विद्यालयीन पत्र)	**92–95**
8	**निबंध लेखन –** (दीर्घ उत्तरीय निबंधात्मक प्रश्न) (वर्णनात्मक एवं समसामयिक विषय)	**96–97**

प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER
परीक्षा : हाई स्कूल

कक्षा :– IX **पूर्णांक :– 100**

विषय :– हिन्दी सामान्य **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10 अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** पद्यांश की व्याख्या, काव्य सौन्दर्य एवं विषयवस्तु पर प्रश्न	25	8	3	1	–	4
2.	**गद्य खण्ड –** अर्थग्रहण एवं विषयवस्तु पर प्रश्न	25	8	3	1	–	4
3.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास–** काल विभाजन सामान्य परिचय	05	1	1	–	–	1
4.	**व्याकरण –** उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची, विलोम, वाक्य शुद्धिकरण	20	8	3	–	–	3
5.	**अपठित बोध –** गद्यांश एवं पद्यांश	10	–	–	2	–	2
6.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
7.	**निबन्ध लेखन**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**10**	**05**	**01**	**16+5 = 21**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोट :– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) अन्य इकाइयों से किया गया है।

1. साखियाँ (कबीर)

पद्य खण्ड

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. साधु का स्वभाव ..... की तरह होना चाहिए।

(बैरागी / सूप)

ब. सज्जन व्यक्ति का जन्म ..... के लिए होता है।

(पूजा / परमार्थ)

स. मनुष्य का जीवन ..... की तरह होता है।

(पानी / बुलबुला)

द. जीवन ..... की तरह होता है।

(हीरे की तरह / कौड़ी की तरह)

ई. शरीर ..... की तरह होता है।

(बर्तन / कच्चे घड़े की)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. संसार भोज्य पदार्थ की तरह है –

1. ईश्वर के 2. मनुष्य के 3. काल के 4. पक्षियों के

ब. मनुष्य का जीवन है –

1. प्रातः काल का तारा 2. संध्या का तारा 3. रात्रि का तारा 4. तारे के बिना

स. सज्जन व्यक्ति भूखा होता है –

1. फलों का 2. भोजन का 3. मिठाई का 4. भावनाओं का

द. मनुष्य अपना जीवन गंवाता है –

1. पढ़कर 2. सोकर 3. काम करके 4. खेलकर

इ. नदी संचय नहीं करती है –

1. मिट्टी का 2. जल का 3. भूमि का 4. पत्थरों का

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य वाक्य चुनिए –

अ. साधु सार भाव को ग्रहण करता है।

ब. वृक्ष अपने फलों को ही लेता है।

स. आजकल करते–करते अवसर निकल जाता है।

द. मनुष्य रात दिन व्यर्थ गँवाता है।

इ. मिट्टी कुम्हार से डरती है।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'		'ख'	
अ.	संसार चबैना है	अ.	जब चिड़िया चुग गई खेत।
ब.	हीरे के समान कीमती जन्म	ब.	मिट्टी में
स.	अब पछतावा क्या करें	स.	कौड़ियों के बदले जाता है।
द.	सबको एक दिन मिलना है	द.	परमार्थ में
इ.	सज्जन विश्वास करते हैं	इ.	काल का

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. मनुष्य जीवन किसकी तरह अस्त हो जाएगा।

ब. गुरू से प्रेम–विश्वास न करने से क्या होगा?

स. शरीर रूपी घोड़ा गिरने पर क्या होगा?

द. सूपे का स्वाभाव कैसा होता है?

इ. काल के मुख में क्या है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 कबीर ने सज्जनों की क्या विशेषता बताई है?

प्रश्न–2 कार्य को टालने पर क्या होता है?

प्रश्न–3 मिट्टी कुम्हार से क्या कहती है?

प्रश्न–4 तन को कच्चे घड़े की तरह क्यों कहा गया है?

प्रश्न–5 समय का महत्व बताने वाला दोहा कौन सा है उसका भावार्थ लिखिये?

प्रश्न–6 निम्न पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए –
'मैं रूँदूंगी तोय'

प्रश्न–7 'हीरा जनम अनमोल है कौड़ी बदले जाय' का गूढ़ अर्थ क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–8 नदी और वृक्ष से क्या सीख मिलती है। हमें अपना जीवन कैसा बनाना चाहिए।

प्रश्न–9 हम अपना स्वाभाव सूप की तरह किस तरह बना सकते हैं?

प्रश्न–10 कबीर के उपदेशात्मक कथनों का सार बताइए।

निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग एवं संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – (पाँच अंक)

प्रश्न–11

माटी कहै कुम्हार को, तू क्या रूँदै मोहि।
इक दिन अइसा होइगा, मैं रूँदूँगी तोहि।।
यह तन काँचा कुम्भ है, लिये फिरै था साथ।
टपका लागा फूटिया, कछु नहिं आया हाथ ।।

प्रश्न–12

वृक्ष कबहैं नहि फल भखें, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारने साधुन धरा शरीर।।
झूठे सुख को सुख कहै, मानत है मन मोद।
जगत चवैना काल का कुछ मुख में कुछ गोद।।

प्रश्न–13

पानी केरा बुदबुदा, अस मानुष की जात।
देखत हि छिपि जायेगा, ज्यों तारा परभात।।
रात गँवाई सोय करि, दिवस गँवाये खाय।
हीरा जनम अमोल था, कौड़ी बदले जाय।।

प्रश्न–14

साधू ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार सार को गहि रहै, थोथा देइ उड़ाय।।
साधू भूखा भाव का, धन का भूखा नाहिं।
धन का भूखा जो फिरै, सो तो साधू नाहि।।

प्रश्न–15

आज कहै कल भजूंगा, काल कहै फिर काल।
आज–काल के करते ही, औसर जासी चाल।।
अच्छे दिन पाछे गये गुरू से किया न हेत।
अब पछतावा क्या करै, चिड़िया चुग गई खेत।।

2. रसखान – पदावली
(कवि – रसखान)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. मनुष्य जन्म पाकर रसखान ..... बनना चाहते हैं।

(गोकुल का ग्वाला/गोकुल का सपेरा)

ब. रसखान अपने सिर पर ..... रखना चाहते हैं।

(मुकुट/मोरपंख)

स. कवि पीताम्बर ओढ़ कर ..... के साथ घूमना चाहते हैं।

(गायों के/बकरियों के)

द. प्रस्तुत सवैयों में ..... के प्रति कवि का प्रेमानुराग बताया गया है।

(श्री कृष्ण/श्री राम)

ई. रसखान अपनी आँखों से ..... निहारना चाहते है।

(महल/ब्रज के बाग)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. रसखान का वास्तविक नाम था –

1. सैयद शफीक 2. सैयद रौनक 3. सैयद इब्राहीम 4. सैयद कोसर

ब. रसखान का अगाध प्रेम था –

1. राम से 2. विष्णु से 3. गणेश से 4. कृष्ण से

स. रसखान ने अपनी रचनाएँ लिखी हैं –

1. ब्रज में 2. अवधी में 3. भोजपुरी में 4. बुन्देली में

द. रसखान की पदावली में भाव मिलता है –

1. कठोर 2. ओज 3. प्रसाद 4. माधुर्य

इ. रसखान की भाषा है –

1. सरल 2. क्लिष्ट 3. प्रसादगुण युक्त 4. प्रभावहीन

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य चुनिए –

अ. यदि पशु जन्म मिले तो रसखान नंद की गाय बनान चाहते थे।

ब. रसखान कृष्ण का स्वांग रचना पसंद नहीं करते थे।

स. ईश्वर को अनादि तथा अनंत कहा गया है।

द. कौआ भाग्यशाली कृष्ण की माखन रोटी लेने के कारण है।

इ. यशोदा कृष्ण को धूल से दूर रखती है।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'	'ख'
अ. कृष्ण के बालों की बनी हुई है	अ. सफेद सुंदर घर।
ब. कृष्ण चलते हैं तो	ब. छाछ के लिए।
स. करील के कुन्जों पर न्यौछावर है	स. पर्वत छत्र धारण किया।
द. अहीर की छोहरिया नाच नचाती है	द. सुंदर चोरी
इ. इन्द्र के कारण कृष्ण ने	इ. पैंजनिया छनकार करती है।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. रसखान ने मुस्लिम होते हुए भी कृष्ण के प्रति समर्पण भाव किस प्रकार दर्शाया।

ब. शेष, महेश, गणेश किसका निरन्तर गान करते हैं।

स. गोपिका कृष्ण की मुरली को अपने अधर पर क्यों नहीं रखना चाहती।

द. कालिन्दी के किनारे वृक्ष पर कवि किस रूप में बसना चाहते हैं।

इ. नारद, शुक, व्यास आदि क्या करते–करते हार गए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 गोपिकाएं कृष्ण के लिए किस प्रकार का स्वांग रचाना चहाती है?

प्रश्न–2 मुरली से गोपिकओं की ईर्ष्या का क्या कारण है?

प्रश्न–3 ईश्वर की अनन्तता बताने के लिए कवि ने किन उक्तियों का सहारा लिया है?

प्रश्न–4 कृष्ण के बालरूप का चित्रण कवि ने किस प्रकार किया है?

प्रश्न–5 रसखान किस–किस रूप में जन्म लेना चाहते हैं?

प्रश्न–6 कृष्ण को गिरधारी क्यों कहा गया है? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए संबंधित पौराणिक कथा का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न–7 रसखान का ब्रजभूमि के प्रति प्रेम विषय पर सार गर्भित टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न–8 देवताओं को भी दुलर्भ अहीर की कन्याओं के भाग्य की सराहना कवि ने किस प्रकार की?

प्रश्न–9 कवि को रसखान नाम क्यों नही मिला? कुछ सरस उदाहरण देकर अपने तर्क की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न–10 रसखान की भक्ति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न–11 प्रमुख कृष्ण भक्त कवियों से रसखन का कृष्ण के प्रति वात्सल्य भाव किस प्रकार श्रेष्ठ है।

सवैया

प्रश्न–12 मानुस हौं तो वही रसखानि फिरो मिलि गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पशु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को जो धरयो पुर छत्र पुरन्दर धारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं नित कालिन्दी कूल कदम्ब की डारन।।

प्रश्न–13 या लकुटी अरू कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहूँ सिद्धि नवो निधि को सुख नंद की गाय चराय बिसारौं।।
रसखानि कबै इन आँखिन तैं ब्रज के बन, बाग, तड़ाग निहारौं।
कोटिन हूँ कलधौत के धाम करील की कंञजंसि ऊपर बारौं।।

प्रश्न–14 मोर पंखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरे पहिरौंगी।
ओढ़ि पीताम्बर लै लकुटी बन, गोधन ग्वारिन संग फिरौंगी।।
भावतों वोहि मेरे रसखानि सो तेरे कहे सब स्वाँग भरौंगी।
या मुरली मुरलीधर की, अधरान–धरी अधरा न धरौंगी।।

प्रश्न–15 धूरि भरे अति सोभित स्यामजू, तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनी बाजति पीरी कछोटी।।
वा छवि को रसखानि विलोकत, वारत काम कलानिधि कोटी।
काग के भाग बड़े सजनी, हरि हाथ सों लै गयौ माखन रोटी।।

3. ऋतु वर्णन
(कवि – पद्माकर)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. बसन्त ..... में किलकारी दे रहा है।
(वृक्षों पर/क्यारियों में)

ब. बसन्त का भरपूर प्रभाव ..... में दीख पड़ा है।
(पलाश पर/गेंदे पर)

स. बसन्त की दीप्ति ..... पर भी है।
(पूर्व में/दसों दिशाओं में)

द. ..... में चांदनी का प्रभाव द्विगुणित हो जाता है।
(शरद ऋतु में/वर्षा ऋतु में)

ई. शरद ..... कालिंदी के तट पर।
(उमड़ पड़ा/बरस पड़ा)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. कृष्ण रास रचाते थे –
1. हेमन्त की पूर्णिमा पर 2. बसंत पूर्णिमा पर 3. शिशिर पूर्णिमा पर 4. शरद पूर्णिमा पर

ब. बसन्त का बिखरना काव्य में कहलाता है –
1. सजीव चित्रण 2. भावचित्रण 3. अतिशयोक्ति 4. गहन चित्रण

स. ऋतुओं में जिसे ऋतुराज कहा गया वह है –
1. शिशिर 2. शरद 3. हेमन्त 4. बसन्त

द. अखंड रास मंडल पर प्रभाव है –
1. अंधेरे का 2. चांदनी का 3. रोशनी का 4. प्रभात का

इ. किलकन्त शब्द का अर्थ होगा –
1. गाना 2. किलकारी देना 3. खिलना 4. महकना

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य चुनिए –

अ. कृष्ण के मुकुट पर चाँदनी का प्रभाव है।

ब. 'लाड़िली की लट' में लाडिली से तात्पर्य राधा से है।

स. 'ऋतु वर्णन' पद्य खंड के कवि बिहारी हैं।

द. पद्माकर के ऋतु वर्णन में सजीवता नहीं है, बनावटीपन है।

इ. ऋतुओं का हमारे जीवन में विशेष महत्व होता है।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'	'ख'
अ. बसंत किलक रहा है	अ. पत्तों पर कोयल पर
ब. बसंत भरपूर छाया है	ब. कालिंदी तट पर
स. दसों दिशाओं में दीप्त हो रहा है	स. शरद की चाँदनी का
द. लाडली की लट पे प्रभाव है	द. क्यारियों की कलियों पर
इ. रास मण्उल का रास हो रहा है	इ. बसंत का प्रभाव

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. पद्माकर का ऋतु वर्णन किस प्रकार का है।

ब. पद्माकर किस काल के कवि हैं।

स. ऋतु वर्णन को किस काल में महत्व दिया जाता था।

द. बसंत कवित्त में प्रकृति चित्रण किस रूप में है।

इ. पद्माकर के प्रस्तुत कवित्त बसंत में किस अलंकार की छटा बिखरी है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 काव्य में बसंत की छटा कहाँ–कहाँ है कुछ उदाहरण लिखिये?

प्रश्न–2 शरद की चाँदनी के प्रसार का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न–3 बसंत ऋतु में प्रकृति चित्रण उद्दीपन रूप में है। उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

प्रश्न–4 पद्माकर के शरद ऋतु चित्रण में प्रकृति का चित्रण उद्दीपन के रूप में है, अपने उत्तर की पुष्टि के लिए कुछ उदाहरण दीजिए।

प्रश्न–5 पद्माकर के प्रकृति चित्रण में प्रकृति सजीव हो उठी है उदाहरण सहित बताईये।

प्रश्न–6 पद्माकर की रचना बसंत वर्णन के अनुसार सिद्ध कीजिए कि वसंत वास्तव में ऋतुराज है।

प्रश्न–7 पद्माकर के काव्य की विशेषतायें बताइये।

प्रश्न–8 निम्न पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए –
'बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में'

प्रश्न–9 निम्न पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए –
'मण्डित उमण्डि महा कालिंदी के तट पर'

प्रश्न–10 पद्माकर की भाषा, काव्य सौंदर्य पर सार गर्भित टिप्पणी लिखिए।

निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग एवं संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – (पाँच अंक)

प्रश्न–11 कूलन में केलिन में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकन्त है।
कहै पद्माकर परागहू में पौनहूं में,
पातन में, पिक में पालसन पगन्त है।

प्रश्न–12 द्वारे में दिसान में दुनी में देस देसन में,
देखौ दीप दीपन में दीपत दिगन्त है।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में,
बनन में बागन में बगरयो बसन्त है।।

प्रश्न–13 तालन पै ताल पै तमालन पै मालन पै,
वृन्दावन, बीथिन, बहार बंसीवट पै।
कहै पद्माकर अखण्ड रासमण्डल पै,
मण्डित उमण्डि महा कालिंदी के तट पै।।

प्रश्न–14 छिति पर छान पर छाजत छतान पर,
ललित लतान पर लाड़िली की लट पै।
आई भली छाई यह सरद–जुन्हाई, जिहि,
पाई छवि आज ही कन्हाई के मुकुट पै।।

4. मातृभाषा (कविता) – (भारतेन्दु हरिशचन्द्र)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. सभी प्रकार की उन्नति का मूल ..... है।

(निज भाषा ज्ञान/सभी भाषाओं का ज्ञान)

ब. हिन्दी साहित्य का प्रारंभिक काल ..... के नाम से ही पुकारा जाता है।

(द्विवेदी युग/भारतेन्दु युग)

स. भारतेन्दु युग में ..... का भी विकास हुआ।

(गद्य साहित्य/पद्य साहित्य)

द. कवि ने ..... में बातचीत करने की सलाह दी।

(मातृभाषा/अंग्रेजी भाषा)

ई. कवि के अनुसार ह्रदय का शूल ..... से ही मिट सकता है।

(निज भाषा ज्ञान/विदेशी भाषा ज्ञान)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. विद्वानों ने हरिशचन्द्र जी को पदवी दी थी –

1. देश भक्त की 2. भारतेन्दु की 3. भारतीय जी की 4. कवि शिरोमणी की

ब. भारतेन्दु जी कवि होने के साथ–साथ थे –

1. गद्य लेखक 2. क्रांतिकारी 3. नेता 4. कुशल संपादक

स. संस्कृत के पठन–पाठन से बना जा सकता है –

1. विद्वान 2. विस्थान पण्डित 3. देश भक्त 4. कवि

द. विविध कलाओं का प्रचार प्रसार संभव है–

1. रेडियो से 2. समाचार पत्र से 3. नाटक से 4. निज भाषा से

इ. निज भाषा को समझने से ज्ञान संभव हो जाता है–

1. विज्ञान का 2. धन लाभ 3. कला संस्कृति का 4. आजादी का

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य चुनिए –

अ. निज भाषा ज्ञान के पंडित, ज्ञानी एक भी बात नहीं कह सकता।

ब. मातृभाषा में ही सभी प्रकार की उन्नति संभव है।

स. विदेशी भाषा से सही प्रकार के विज्ञान को जाना जाता है।

द. देश में एकता तभी होगी जब सभी को अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक होगा।

इ. केवल अंग्रेजी पढ़ के ही प्रवीण हुआ जा सकता है।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'	'ख'
अ. मातृभाषा के ज्ञान के बिना	अ. स्वयं की भाषा का ज्ञान हो।
ब. ज्ञानार्जन तभी संभव है जब	ब. बातचीत
स. उन्नति के शिखर पर पहुंचने का माध्यम	स. धर्म, युद्ध, विद्या, कला का ज्ञान।
द. निज भाशा में ही करना चाहिए	द. सारा ज्ञान व्यर्थ है।
इ. मातृभाषा में ही समाया हुआ है	इ. निज भाषा का ज्ञान है।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. भारतेन्दुजी ने किस भाषा को ज्ञान का आधार बताया?

ब. हृदय का शूल कब मिटता है?

स. निजभाषा में बातचीज करने से क्या होगा?

द. संस्कृत के पण्डित होकर भी अधूरापन क्यों रहता है?

इ. अंग्रेजी पढ़ने के साथ–साथ कौन सी बात आवश्यक है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 कवि ने मातृभाषा को ही उन्नति का आधार क्यों बताया?

प्रश्न–2 सफल जीवन जीने के लिए हिन्दी भाषा ज्ञान क्यों आवश्यक है?

प्रश्न–3 मातृभाषा सर्वोपरि क्यों होती है?

प्रश्न–4 मातृभाषा में क्या–क्या समाया हुआ है?

प्रश्न–5 भारतेन्दु जी ने परतन्त्रता के समय में मातृभाषा के महत्व को स्थापित किया इससे देश को क्या लाभ हुआ?

प्रश्न–6 मातृभाषा में किस बात का प्रचार प्रसार होना चाहिए?

प्रश्न–7 सिद्ध कीजिए कि भारतेन्दु जी को मातृभाषा से अतिशय प्रेम था?

प्रश्न–8 'बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल' कवि ने किस शूल की ओर संकेत किया है, और क्यों?

प्रश्न–9 मूढ़ता मिटाने के लिए कवि ने 'इक भाषा, इक जीव, इक मति घर के लोग' की आवश्यकता कवि ने अनुभव की?

प्रश्न–10 भावार्थ स्पष्ट कीजिए –

'सबके समझत जोग है, भाषा मॉहि समा'

निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग एवं संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – (पाँच अंक)

प्रश्न–11 अंग्रेजी पढ़कै जदपि सब गुन होत प्रबीन।
पै निज भाषा ज्ञान बिन रहत हीन के हीन।।
इक भाषा, इक जीव इक, मति सब घर के लोग।
तबै बनत है सबन सों, मिटत मूढ़ता सोग।।

प्रश्न–12 विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार।
सब देसन से लोकरहु, भाषा माँहि प्रचार।।
धर्म, जुद्ध, विद्या, कला, गीत, काव्य अरू।
सबके समझन जोग है, भाषा माँहि समा।।

प्रश्न–13 निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को सूल।।
पढ़े संस्कृत जनत करि पंडित भे विख्यात।
पै निजभाषा ज्ञान बिन कहि न सकत एक बात।।

प्रश्न–14 और एक अति लाभ यह, यामें प्रगट लखात।
निज भाषा में कीजिए जो विद्या की बात।।
तेहि सुनि पावैं लाभ सब, बात सुनै जो कोय।
यह गुन भाषा और मँह, कबहूँ नाहीं होय।।

5. मैं अमर शहीदों का चारण (कवि – श्री कृष्ण सरल)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. मैं अमर शहीदों का चारण कविता ..... में लिखी गई है।

(ओज गुण/माधुर्य गुण)

ब. प्रस्तुत कविता में वीर शहीदों के ..... का यशगान किया है।

(वीरता भाव का/गौरवपूर्ण अतीत)

स. कवि ने उन वीरों का वर्णन किया जिन्होंने ..... रास्ते का वरण किया है।

(फूलों भरे/काँटों भरे)

द. वीर शहीद इतिहास में ..... होकर प्रेरणा बन गए।

(दर्ज होकर/अमर होकर)

ई. प्रस्तुत कविता में ..... मिलता है।

(वीर रस/रौद्र रस)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. कवि ने स्वयं को अमर शहीदों का –

1. मित्र कहा है 2. अनुयायी कहा है 3. चारण कहा है 4. भक्त कहा है

ब. कवि अपने जीवन को कर्ज मानते है –

1. राष्ट्र का 2. बैंक का 3. सरकार का 4. माता–पिता का

स. यदि देश भक्त शहीद न होते तो देश –

1. देश पिछड़ जाता 2. नष्ट हो जाता 3. मुर्दों का कहाता 4. मर जाता

द. शहीदों ने भारत माँ की वन्दना की है –

1. फूलों से 2. गोलियों से 3. बेड़ियों से 4. निज मस्तक से

इ. शहीदों ने धरती में बोया –

1. मस्तक 2. गेहूँ 3. धान 4. चावल

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य चुनिए –

अ. शहीदों की लाशों पर चलकर आजादी आई हैं।

ब. शहीदों के जीवन में बहारें ही बहारें आई।

स. शहीदों ने धरती की सेवा के लम्बे–चौड़े वादे भी किए।

द. शहीदों ने सुखद सपने स्वीकार नहीं किए।

इ. प्रस्तुत कविता में अमर शहीदों के त्याग का वर्णन है।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'	'ख'
अ. कवि ने अपना कर्ज उतारा	अ. देश प्रेम से प्रेरित हो।
ब. अमर शहीद न होते तो	ब. अपने ओजस्वी गीतों से।
स. कि हमारे देश का अस्तित्व ही शेष है	स. देशभक्तों का यशगान करके।
द. कवि देश को जगाना चाहते है	द. शहीदों के बलिदान से।
इ. कवि ने उस जीवन को श्रेष्ठ माना जो	इ. देश मुर्दों का कहलाता।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. हम देशवासियों ने शहीदों की यादों का क्या किया?

ब. शहीदों ने रंगीन बहारें क्यों लौटा दी?

स. कवि युवाओं के सर्द खून को कैसे गरमाते है?

द. भाट या चारण क्या करते है?

इ. जीवन बोझ कैसे बन जाता है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 शहीदों ने देश के लिए कौन–कौन से बलिदान दिए?

प्रश्न–2 कवि कहते हैं कि उन्होंने राष्ट्र का कर्ज खाया है वह कर्ज कौन सा है? उसे कवि कैसे चुकाना चाहते है।

प्रश्न–3 शहीदों के न रहने पर देश मुर्दा कैसे हो जाता स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न–4 शहीदों ने काँटों के पथ का वरण किया, काँटे क्या है? शहीदों ने उन्हें वरण क्यों और कैसे किया?

प्रश्न–5 कवि चारण बनने की कामना करते है। उसके चार कारण लिखिए।

प्रश्न–6 धरती में मस्तक बोने का क्या अर्थ है, शहीदों के सदंर्भ में इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–7 निम्न प्रतीकों को स्पष्ट कीजिए –

1. लाशों पर चलकर आजादी आई।
2. वे निज मस्तक लेकर लौटे।
3. सर्द खून को मैं गरमाया करता हूँ।
4. रंगीन बहारें लौटा दी।

प्रश्न–8 कवि ने किस जीवन को श्रेष्ठ माना और क्यों?

प्रश्न–9 प्रेमगीतों के बीच ओजपूर्ण गीतों की क्या आवश्यकता है?

प्रश्न–10 कवि शहीदों के माध्यम से देश को क्या प्रेरणा देना चाहते हैं?

निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग एवं संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – (पाँच अंक)

प्रश्न–11 वे अगर न होते तो भारत मुर्दों का देश कहा जाता,
जीवन ऐसा बोझा होता, जो हमसे नही सहा जाता।
यह सच है दाग गुलामी के उनके लोहू से धोए हैं,
हम लोग बीज बोते, उनने धरती में मस्तक बोए हैं।।

प्रश्न–12 मै अमर शहीदों का चारण, उनके यश गाया करता हूँ,
जो कर्ज राष्ट्र से खाया है, मैं उसे चुकाया करता हूँ।
यह सच है, याद शहीदों की, हम लोगों ने दफनाई है,
यह सच है, उनकी लाशों पर चलकर आजादी आई है।।

प्रश्न–13 भारत का खून नहीं पतला, वे खून बहाकर दिखा गए,
जग के इतिहासों में अपनी, वे गौरव–गाथा लिखा गए।
उन गाथाओं से सर्द खून को मैं गरमाया करता हूँ।
मैं अमर शहीदों का चारण, उनके यश गाया करता हूँ।।

प्रश्न–14 पर, माँ के आँसू लख उनने सब सरस फुहारें लौटा दीं,
काँटों के पथ का वरण किया, रंगीन बहारें लौटा दीं।
उनके धरती की सेवा के वादे न किए लम्बे–चौड़े
माँ के अर्चन हित फूल नही, वे निज मस्तक लेकर दौड़े।।

6. जागरण गीत
(कवि – सोहनलाल द्विवेदी)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. जागरण गीत के कवि ..... हैं।

(सोहनलाल द्विवेदी/महावीर प्रसाद द्विवेदी)

ब. सोहनलाल द्विवेदी जी की ..... विचारधारा में आस्था थी।

(मार्क्सवादी/गांधीवादी)

स. कवि युवाओं को ..... जगाना चाहते हैं।

(कहानी सुनाकर/गीत गाकर)

द. द्विवेदी जी ने ..... के माध्यम से जीवन की वास्तविकताओं का वर्णन किया है।

(जागरण गीत/युद्धगीत)

ई. जागरण गीत में ..... का संदेश दिया गया है।

(नव जीवन संचार/योजना)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. अस्ताचल से कवि का क्या तात्पर्य है –

1. बुझना 2. नष्ट होना 3. अस्त होना 4. मिटना

ब. 'आकाश में उड़ने न दूँगा' से कवि का तात्पर्य है–

1. पंख लगाना 2. वायुयान में बैठना 3. कल्पना करना 4. चलना

स. 'न गहरी नींद में तुम सो सकोगे' से कवि का तात्पर्य है –

1. थकना 2. आलस्य करना 3. लापरवाह होना 4. अज्ञानता में डूबना

द. कवि ने प्रगति का मूल मंत्र बताया है –

1. कर्मरत जीवन को 2. धन को 3. सुख को 4. आराम को

इ. प्रस्तुत कविता जागरण गीत में भाव नहीं है –

1. कर्मरत जीवन 2. धन 3. सुख 4. निराशा

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य चुनिए –

अ. गीत गाकर जगाने से तात्पर्य प्रेरणा देना है।

ब. आलसी व्यक्ति ही कोंरे सपने देखता है।

स. निराशा से व्यक्ति कभी नहीं उबर सकता।

द. सफलता के लिए केवल सपने देखने से काम चल जाता है।

इ. सूर्य अस्ताचल से उगता है।

प्रश्न–4. 'क' स्तंभ से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'		'ख'	
अ.	अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूंगा	अ.	प्रगति के पथ पर बढ़ाने आ रहा हूँ।
ब.	जिसे शूल तुम समझते थे, अभी तक	ब.	हाथ ले पतवार को।
स.	बिंदु बनकर मैं तुम्हें ढ़लने न दूंगा	स.	फूल मैं इसको बनाने आ रहा हूँ।
द.	विपथ होकर मैं तुम्हें मुड़ने न दूंगा	द.	उदयाचल सजाना आ रहा हूँ।
इ.	मझधार को देख घबरा न जाना	इ.	सिंधु बनकर उठाने आ रहा हूँ।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. कवि गहरी नींद से समाज को कैसे जगा सकेंगे?

ब. कवि ने आलस्य व निराश को क्या करने को कहा है?

स. कवि ने मन से किसे तोड़ देने की बात कही है?

द. कवि ने मन की बेड़ियाँ किसे कहा है?

इ. शूल से कवि का क्या आशय है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 कवि कौन सी गहरी नींद का संकेत कर रहे है? वे कैसे जगायेंगे।

प्रश्न–2 अस्ताचल और उदयाचल शब्दों के अर्थ बताते हुए कवि की सांकेतिकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–3 कवि ने केवल कल्पना करने और सपने देखने को व्यर्थ क्यों बताया है?

प्रश्न–4 जीवन में हम भार की तरह किसे मानते है? कवि उसे फूल में किस प्रकार परिवर्तित कर सकेंगे।

प्रश्न–5 मंझधार से कवि का संकेत किस ओर है?

प्रश्न–6 कवि ने मन में बसी संकीर्णताएं तोड़ने को क्यों कहा है?

प्रश्न–7 हमारे गतिमान होने से धरती नभ सब गतिमान होंगे कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

प्रश्न–8 विपथ होकर मुड़ने से कवि का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–9 शूल का फूल बनाने से कवि का दृढ़ संकल्प झलकता है क्या कवि इसे संभव कर सकते हैं? अपने विचार बताइये।

प्रश्न–10 मन को कौन सी श्रृंखलाएं कसती है? समझाइये।

निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग व संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए –

प्रश्न–11 तोड़ दो मन में कसी सब श्रृंखलाएँ
तोड़ दो मन में बसी संकीर्णताएँ ।
बिंदु बनकर मैं तुम्हें ढलने न दूँगा
सिंधु बन तुमको उठाने आ रहा हूँ ।।

प्रश्न–12 अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ ।
अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूँगा,
अरूण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ ।।

प्रश्न–13 कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम ।
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ ।।

प्रश्न–14 देखकर मँझधार को घबरा न जाना,
हाथ ले पतवार को घबरा न जाना ।
मैं किनारे पर तुम्हें थकने न दूँगा,
पार मैं तुमकों लगाने आ रहा हूँ ।।

7. बालिका का परिचय
(सुभद्राकुमारी चौहान)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1 दिए गये शब्दों मे से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

अ. सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रस्तुत कविता ..... रस पर आधारित हैं।

(श्रृंगार / वात्सल्य)

ब. बालिका का परिचय कविता ..... भाव से पूर्ण है।

(ममता / ओज)

स. बालिका का परिचय कविता में माँ और बेटी के ..... प्रेम का चित्रण है।

(स्वाभाविक / बनावटी)

द. बालिका का परिचय कविता ..... भावों को व्यक्त करने करने वाली हैं।

(वीरोचित / नारीसुलम)

इ. बालिका का परिचय कविता में ..... का मोहक चित्रण है।

(राष्ट्रीय जीवन / पारिवारिक जीवन)

प्रश्न–2 दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।

अ. बेटी माता की गोदी की होती है .....

1. शोभा 2. वजन 3. सजावट 4. जरूरत

ब. सुभद्रा जी ने बेटी की तुलना की है .....

1. विद्यालय 2. मंदिर से 3. पुस्तक से 4. गीतों से

स. बेटी को नीरस दिल की माना है .....

1. तेल की धार 2. पानी की धार 3. सुधा–धार 4. दुग्ध–धार

द. बेटी की बाल कीड़ाओं की तुलना की गई है .....

1. कृष्णचन्द्र से 2. राम से 3. खिलौनो से 4. गुड़िया से

इ. बेटियों का परिचय कौन अच्छे से दे सकता है .....

1. पिता 2. माता 3. भाई 4. बहन

प्रश्न–3 निम्न वाक्यों में से सत्य / असत्य ताक्य छाँटिए।

अ. माँ बेटी में बचपन की झलक देखती है।

ब. बेटी का किलकना – मचलना बचपन की याद दिलाता है।

स. बेटी ह्रदय की नीरसता को दूर नहीं कर सकती।

द. सुभद्रा सुमारी चौहान ने बेटी में ही पूजा–पाठ, ध्यान, पूर्ण किया है।

इ. पतझर की हरियाली से तात्पर्य जीवन के अभावों में आनन्द से है।

प्रश्न–4 स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों की सही जोड़ियाँ बनाईए।

'क'	'ख'
अ. बेटी प्रभु ईशा की	अ. दीपशिखा कहती है।
ब. बेटी को निकट से वही जानता है	ब. बेटी में होती है।
स. गौतम के समान जीवदया	स. बेटी के रूप में।
द. सुभद्राजी बेटी को अंधकार की	द. क्षमा शीलता होती है।
इ. बचपन लौट कर आ जाता है	इ. जो माँ का हृदय रखता है।

प्रश्न–5 निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए।

अ. बेटी के प्रेम को जानने के लिए किसका हृदय चाहिए।

ब. जीवों पर दया करना किसके जीवन से सीखा जा सकता है।

स. कौशल्या को किस बात में आनन्द मिला।

द. बेटी किस बीते समय की हँसती नाटिका है।

इ. सभी पूजा स्थल एक साथ कहाँ मिलते है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (चार एवं पाँच अंक) –

प्रश्न–1 इस कविता में बेटी की तुलना किस–किस से की गई है।

प्रश्न–2 वही जान सकता है इसको, माता का दिल जिसका इन पंक्तियों के आधार पर बताईए कि माता का दिल कैसा होता है।

प्रश्न–3 बेटी की बाल कीडाएँ बचपन की याद कैसे दिलाती है ?

प्रश्न–4 प्रभु ईशा की क्षमाशीलता बेटी में किस प्रकार होती है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–5 हँसती हुई नाटिका बेटी को कयों कहा गया है।

प्रश्न–6 इस कविता में ज्योति का क्या आशय है।

प्रश्न–7 बेटी अंधकार की दीपशिखा हो सकती हैं। कैसे ?

प्रश्न–8 धनी घटा की उजियाली 'पंक्ति में धनी घटां का सांकेतिक अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–9 प्रस्तुत कविता के आधार पर बेटी का महत्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–10 सुभद्रा कुमारी चौहान के वात्सल्य भाव पर टिप्पणी लिखिए।

निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या प्रसंग व संदर्भ सहित किजिए – (पाँच अंक)

प्रश्न–11 बीते हुए बालपन की यह
क्रीड़ा पूर्ण वाटिका है।
वही मचलना, वही किलकना
हँसती हुई नाटिका है।।

प्रश्न–12 प्रभु ईशा की क्षमाशीलता
नबी मुहम्मद का विश्वास।
जीव दया जिनपर गौतम की
आओ देखो इसके पास।।

प्रश्न–13 दीपशिखा है अंधकार की,
घनी घटा की उजियाली।
उषा है यह कमल – भ्रगं की,
है पतझड़ की हरियाली।।

प्रश्न–14 सुधा–धरा यह नीरस दिल की
मस्ती मगन तपस्वी की।
जीवन ज्योति नष्ट नयनों की
सच्ची लगन मनस्वी की।।

8. वरदान माँगूगा नहीं
(शिवमंगल सिंह सुमन)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1 दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर लिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

अ. वरदान माँगूगा नहीं कविता के कवि ..... हैं।

(शिवमंगल सिंह सुमन/मैथिलीशरण गुप्त)

ब. कवि ने जीवन को ..... कहा है।

(महासंग्राम/आराम)

स. कवि माँगना नहीं चाहते .....

(वरदान/धन)

द. शिवमंगल सिंह सुमन ..... कवि माने जाते हैं।

(छायावादी/प्रगतिवादी)

इ. कवि ..... भागना नही चाहते।

(कर्तव्य पथ से/बाधाओं से)

प्रश्न–2 निम्नलिखित कथन को दिए गए शब्दों में से सही विकल्प चुनकर पूर्ण कीजिए –

अ. कवि के लिए जीवन है .....

1. मैत्री 2. संग्राम 3. स्वर्ग 4. नरक

ब. कवि सुखद जीवन के लिए नहीं चाहते .....

1. आराम 2. धन 3. सुख 4. विश्व की सम्पत्ति

स. कवि ने इस गीत मं प्रेरणा दी है .....

1. स्वाभिमान की 2. आजादी की 3. उत्तीर्ण होने की 4. जीने की

द. जीवन पथ पर बढने के लिए आवश्यक है .....

1. अच्छे मित्र 2. आत्मबल 3. धन की 4. बल की

इ. प्रस्तुत कविता कवि की कौन सी शक्ति दर्शाता है .....

1. संकल्प 2. बाहुबल 3. प्रेम की 4. घृणा की

प्रश्न–3 निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य छाँटिए–

अ. जीवन पथ में मिली हार जीवन का विराम है।

ब. कवि संघर्ष पथ से भयभीत है।

स. कवि सुखद समय बिताने के लिए सम्पत्ति चाहते हैं।

द. कवि हार – जीत से विचलित होना नहीं जानते।

इ. प्रत्येक व्यक्ति को कठिनाईयों से घबराए बिना जीवन पथ पर चलना चाहिए।

प्रश्न–4 स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों की सही जोड़ियाँ बनाईए।

'क'	'ख'
अ. तुम हो महान बने रहो	अ. कर्तव्य पथ से भागूँगा नहीं।
ब. किंचित नहीं भयभीत मैं	ब. विश्व सम्पत्ति चाहूँगा नहीं।
स. तिल–तिल मिटूँगा पर	स. संघर्ष पथ पर जो मिले।
द. कुछ भी कष्ट हो पर	द. हृदय की वेदना व्यर्थ नहीं जाने दूँगा।
इ. सुखद जीवन जीने को	इ. दया की भीख नहीं मागूँगा।

प्रश्न–5 निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए।

अ. कवि ने जीवन को क्या माना?

ब. सुमन जी भयभीत क्यों नहीं है?

स. कवि किसे स्वीकार करना चाहते हैं, हार या जीत?

द. प्रस्तुत कविता में कवि वरदान क्यों नहीं चाहते?

इ. 'वरदान मागूँगा नहीं' कविता में क्या संदेश है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न 1. वरदान माँगूंगा नहीं पाठ से क्या शिक्षा मिलती है?

प्रश्न 2. कवि हृदय की वेदना को नहीं छोड़ना चाहतें, क्यों? कारण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. तिल–तिल मिटने से कवि का क्या अभिप्राय है?

प्रश्न 4. कवि जीवन–पथ से डिगना क्यों नहीं चाहते, उनका प्रेरणा स्त्रोत क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. जीवन को संग्राम रूप में क्यों कहा गया। हमें नित्य जीवन में कहाँ, किससे जूझना पड़ता है?

प्रश्न 6. प्रस्तुत कविता के आधार पर कवि की संकल्प शक्ति का परिचय दीजिए।

प्रश्न 7. कवि जीवन पथ की किन परिस्थितियों से समझौता करने को तैयार हैं?

प्रश्न 8. 'यह हार एक विराम है' का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. 'तुम हो महान बने रहो' पंक्ति में कवि का कौन सा भाव झलकता है?

प्रश्न 10. कर्तव्य पर अडिग रहने के लिये किस शक्ति की आवश्यकता होती है?

निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग व संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए –

प्रश्न 11 यह हार एक विराम है
जीवन महा संग्राम है
तिल–तिल मिटूँगा, पर दया की भीख मैं
लूँगा नहीं, वरदान मागूँगा नहीं

प्रश्न 12 स्मृति सुखद प्रहरों के लिए
यह जान लो मैं विश्व की संपत्ति चाहूँगा नहीं,
वरदान मागूँगा नही।
क्या हार में क्या जीत में,
किंचित नहीं भयभीत मैं,
संघर्ष पथ पर जो मिले, यह भी सही वह भी सही।

प्रश्न 13 तुम हो महान बने रहो,
अपने हृदय की वेदना मैं व्यर्थ त्यागूँगा नहीं,
वरदान मागूँगा नही।
चाहे हृदय का ताप दो,
चाहे मुझे अभिशाप दो,
कुछ भी करो कर्तव्य पथ से किंतु मागूँगा नहीं,
वरदान मागूँगा नही।

9. मृत्तिका
(कवि – नरेश मेहता)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1 दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

अ. मृत्तिका कविता के कवि ..... हैं।

(नरेश मेहता / नागार्जुन)

ब. मिट्टी का मनुष्य जीवन से ..... हैं।

(गहरा नाता/मतलब)

स. मृत्तिका कविता में कवि ने मिट्टी के ..... का वर्णन किया है।

(एक रूप का / विविध रूपों का)

द. नरेश मेहता ..... काल के कवि हैं।

(प्राचीन/आधुनिक)

इ. प्रस्तुत कविता ..... बोली में लिखी गई है।

(खड़ी/ब्रज)

प्रश्न 2. दिए गए शब्दों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए–

अ. मिट्टी को रौंदा जाता है–

1. हाथ से 2. पैरों से 3. मशीन से 4. जानवरों के खुर से

ब. हमें मिट्टी से नहीं मिलता है–

1. फल–फूल 2. फसल3. रत्न 4. सिक्के

स. मिट्टी के बनाए जाते हैं –

1. खिलौन 2. पत्थर 3. वस्त्र 4. खाद्य पदार्थ

द. मिट्टी मनुष्यों के लिए है –

1. व्यर्थ 2. बहु उपयोगी 3. अपरिचित 4. परदेसी

ई. बचपन में किसका मिट्टी से संपर्क नहीं हुआ –

1. देवताओं का 2. मनुष्य का 3. पशुओं का 4. चांद–तारों का

प्रश्न–3 निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य छाँटिए–

अ. फसल उगाने के लिए मिट्टी पर हल चलाया जाता है।

ब. मिट्टी से बर्तन नहीं बन सकते।

स. मिट्टी से बने खिलौने बाजार में बिकते है।

द. मिट्टी को जैसा ढालो वैसा ढल जाती है।

इ. बालक मिट्टी में खेलना पसंद नहीं करते।

प्रश्न–4 स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों की सही जोड़ियां बनाईए–

'क'	'ख'
अ. मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए	अ. मिट्टी स्वरूप पाती है।
ब. बच्चों को आकर्षित करते हैं	ब. पूजा जाता है।
स. मिट्टी की मूर्तियाँ बनाकर	स. मनुष्य का पोषण करती है।
द. मनुष्य के पुरूषार्थ से ही	द. मिट्टी के खिलौने
इ. मिट्टी धन–धान्य उपजाकर	इ. चाक पर चढ़ाकर घुमाया जाता है।

प्रश्न–5 निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

अ. मिट्टी को पैरों से क्यों रौंदा जाता है?

ब. हल चलाकर मिट्टी में क्या किया जाता है?

स. बच्चे क्या देखकर मचल जाते हैं?

द. मिट्टी ग्राम्य देवत्य कैसे प्राप्त करती है?

इ. सबसे बड़ा देवत्व क्या है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न 1. धरती को हल की फाल से विदीर्ण करने पर मिट्टी का स्वरूप कौन सा हो जाता है? उस स्वरूप से क्या सीख मिलती है?

प्रश्न 2. मिट्टी अंतरंग प्रिया कैसे हो जाती है कविता के आधार पर लिखिये?

प्रश्न 3. मिट्टी का प्रजारूपा रूप कैसे बन जाता है?

प्रश्न 4. मनुष्य अपनी आराध्या मिट्टी को किस प्रकार से बनाता है?

प्रश्न 5. मिट्टी किस बात का विश्वास मनुष्य को दिलवाती है और क्यों?

प्रश्न 6. मनुष्य का पुरूषार्थ पराजित कब और कैसे होता है?

प्रश्न 7. पुरूषार्थ पराजित होने पर मनुष्य किसे और क्यों पुकारता है?

प्रश्न 8. मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ मिट्टी ने ऐसा क्यों कहा?

प्रश्न 9. मृत्तिका के माता, प्रिया और प्रजारूप किस प्रकार बनते हैं?

प्रश्न 10. इस कविता में मिट्टी के किन–किन स्वरूपों का उल्लेख किया गया है?

निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या प्रसंग व संदर्भ सहित कीजिए– (पाँच अंक)

प्रश्न–11 मैं तो मात्र मृत्तिका हूं
जब तुम
मुझे पैरों से रौंदते हो
तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो
तब मै
धन–धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूं

प्रश्न–12 जब तुम
मुझे हाथों से स्पर्श करते हो
तथा चाक पर चढ़ाकर घुमाने लगते हो
तब मैं –
कुंभ और कलश बनकर
जल लाती तुम्हारी अंतरंग प्रिया हो जाती हूँ।

प्रश्न–13 जब तुम मुझे मेले में मेरे खिलौने रूप पर
आकर्षित होकर मचलने लगते हो
तब मैं –
तुम्हारे शिशु–हाथों में पहुँच प्रजारूपा हो जाती हूँ।

प्रश्न–14 पर जब भी तुम
अपने पुरूषार्थ–पराजित स्वत्व से मुझे पुकारते हो
तब मैं –
अपने ग्राम्य देवत्य के साथ चिन्मयी शक्ति हो जाती हूँ
प्रतिमा बन तुम्हारी आराध्या हो जाती हूँ

10. धनुष की प्रत्यंचा
(कवि – देवेन्द्र दीपक)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

अ. कवि शिक्षक के रूप में विद्यार्थी के लिए ..... बनाना चाहते हैं।

(सेतु / सड़क)

ब. शिक्षक विद्यार्थियों को ..... सौंपना चाहते हैं।

(कलम / कुंजी)

स. विद्यार्थियों की रक्षा हेतु शिक्षक ..... की भूमिका निभाता है।

(शूल / सैनिक)

द. ज्ञान का मन्दिर खड़ा करने को कवि ..... बनना चाहता है।

(ईंट / नींव)

इ. शिक्षक में ..... के जैसी कठोरता हो सकती है।

(पत्थर / सीप)

प्रश्न–2 दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प छाँटिए –

अ. विद्यार्थी के रूक जाने पर शिक्षक अनुभव करेगा–

1. राहत 2. शांति 3. अस्थि का दर्द 4. रोग

ब. विद्यार्थी शिक्षक के लिए होता है –

1. कविता 2. ज्ञान 3. धन 4. बगिया

स. ज्ञान के तीर से ही भेदा जा सकता है –

1. शिकार 2. अज्ञान 3. लक्ष्य 4. दुश्मन

द. गुरू का आशीष शिष्य के साथ रहता है –

1. प्रेम की तरह 2. मंत्र की तरह 3. रक्षा कवच की तरह 4. धन की तरह

इ. गुरू शिष्य का होता है–

1. भाई 2. मानसपिता 3. दोस्त 4. चाचा

प्रश्न–3 निम्न वाक्यों में सत्य/असत्य वाक्य छाँटिए–

अ. गुरू धनुष की प्रत्यंचा की तरह है।

ब. गुरू शिष्य के ज्ञान से ईश्या करता है।

स. ज्ञान प्राप्ति के लिये विनम्रता आवश्यक है।

द. गुरू स्वभाव से कठोर होता है।

इ. सच्चा ज्ञान साधना से अर्जित होता है।

प्रश्न–4 स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों की सही जोड़ियाँ बनाईए–

'क'	'ख'
अ. मैं नयन हूँ	अ. मैं रज्जु बनकर लटका हूँ
ब. मुझमें सीप सी कठोरता है	ब. ज्योति का वह द्वार
स. मेरी रक्षा परिधि में	स. मोती सा पलना है
द. दुनिया अंधा कुआँ है	द. तुम दृष्टि बन जाता
इ. क्योंकि तुम्हें खोलना है	इ. तुम्हें फूल सा खिलना है

प्रश्न–5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

अ. सेतु पर पाँव रखकर क्या बना जा सकता है?

ब. ज्ञान से कौन से द्वार खोले जा सकते हैं?

स. गुरू यदि साधना है तो शिष्य का अस्तित्व किसका होगा?

द. गुरू मानस पिता के रूप में विद्यार्थी से क्या चाहता है?

इ. मरूस्थल को किसकी आवश्यकता होती है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न 1. 'धनुष की प्रत्यंचा' कविता गुरू–शिष्य सम्बन्धों वाली अन्य कविताओं से भिन्न क्यों है?

प्रश्न 2. प्रस्तुत कविता के आधार पर शिक्षक का दायित्व बताईए।

प्रश्न 3. शिक्षक किन–किन रूपों में विद्यार्थी का हितैषी होता है?

प्रश्न 4. गुरू धनुष की प्रत्यंचा की तरह कैसे होता है?

प्रश्न 5. शिक्षक प्रेरणा पुंज होता है प्रस्तुत कविता से उदाहरण देते हुए अपने उत्तर को पुष्ट बनाईए।

प्रश्न 6. 'ज्ञान प्राप्ति के लिए शिष्यों को कौन से गुण धारण करने होते है' पठित कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्रश्न 7. 'मैं नींव बन नीचे रहूँगा' पंक्ति में गुरू के त्याग की भावना परिलक्षित होती है। कैसे? स्पष्ट करें।

प्रश्न 8. शिक्षक खुशी से गोल कब और क्यों होता है?

प्रश्न 9. 'तुम्हे गमगीन जब देखूँ, मेरा मन सूख जाता' पक्ति के आधार पर गुरू–शिक्ष्य के आत्मीय सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 10. कवि शिष्य को गुरू की आत्मा का वशंज क्यों मानता है?

निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए– (पाँच अंक)

प्रश्न–11

इधर क्यों खड़े हो उदास
क्यों मलिन हो गया चेहरा
अंधकार में,
भटकन में,
डूबे हो कंठ–कंठ।
लो, मैं तुम्हारे हेतु
सेतु बना हूँ।
इस सेतु पर पाँव रखकर
निर्भीक ओर निर्द्वन्द्व होकर
उतर जाना तुम पार
क्योंकि तुम्हें खोलना है
ज्योति का वह द्वार।

प्रश्न–12

मैं नींव बन नीचे रहूँगा
लेकिन तुम सीढ़ियाँ चढ़ना,
हर दिवस बढ़ना
हर रात बढ़ना,
आसमान छूना।
तुम रूकोगे
तो नींव में गड़ी–गड़ी
मेरी अस्थियों में दर्द होगा।

प्रश्न–13

मैं धनुष की प्रत्यंचा हूँ
अपनी पूरी शक्ति से खींचो,
रखना विश्वास नहीं टूटूँगा, नहीं टूटूँगा
चलाओं ज्ञान के तुम तीर
अज्ञान की मीन को बेध डालो
सफलता की द्रोपदी का स्वयंवर रचेगा।

प्रश्न–14 मैं साधना हूँ
तुम सिद्धि बन जाना,
मैं नयन हूँ
तुम दृष्टि बन जाना,
विजय का स्तम्भ हूँ मैं
तुम विजय का केतु बन जाना,
हथेली पर तुम विजय कर
'आज' रख लेना,
मानस पिता हूँ
मेरी लाज रख लेना
मेरी लाज रख लेना।

पाठ्यपुस्तक (वासंती) आधारित प्रश्न

11. मित्रता (निबन्ध) लेखक – रामचन्द्र शुक्ल

गद्यखण्ड –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प चयन कर कीजिए :–

अ. मित्रता निबन्ध ..... प्रधन निबन्ध है।

(विचार / व्यंग्य)

ब. मित्रता निबन्ध के लेखक ..... है।

(रामचन्द्र शुक्ल / गुलाबराय)

स. संगति का गुप्त प्रभाव हमारे ..... पर भारी पड़ता है।

(आचरण / विश्वास)

द. ..... का ज्वर सबसे भयानक होता है।

(कुसंग / मलेरिया)

ई. सच्चा मित्र अच्छा ..... होता है।

(पथ प्रदर्शक / शिक्षक)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प चुनिए :–

अ. सच्ची मित्रता से कार्य बहुत सुगम हो जाता है –

1. आत्म शिक्षा का 2. कर्तव्य पूर्ति का 3. सफलता का 4. धन का

ब. हमें ऐसे मित्रों की खोज में रहना चाहिए जो हमसे अधिक हों –

1. प्रेम में 2. आत्मबल में 3. शक्ति में 4. धन में

स. हमारी आध्यात्मिक उन्नति में बाधक होती है –

1. बुरी संगति 2. बुरी नौकरी 3. ईर्ष्या 4. लड़ाई

द. नवयुवकों का जीवन शून्य निःसार और शोचनीय होता है –

1. मनचले 2. बुद्धिहीन 3. गरीब 4. अनपढ़

ई. मित्र बनाने से पहले हमें अनुसंधान कर लेना चाहिए –

1. मित्र के परिवार का 2. स्वभाव का 3. जाति का 4. उम्र का

प्रश्न–3. निम्नलिखित में से सत्य / असत्य वाक्य छांटिए –

अ. काजल की कोठरी में सयाने से सयाने व्यक्ति को भी कालिख लग जाती है।

ब. उदार कर्ण और लोभी दुर्योधन में स्वभाव की समानता थी।

स. बचपन में हमारा चित्त कोमल और अपरिपक्व होता है।

द. हमारे उत्तम संकल्प हमें दोषों और त्रुटियों से बचाते हैं।

इ. कोमल चित्र में बुराई टिक नहीं पाती।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर वाक्यांशों की उचित जोड़ियाँ बनाइये :–

'क'	'ख'
अ. हृदय को उज्जवल और निष्कलंक रखना आवश्यक है	अ. लक्ष्मण उग्र स्वभाव थे।
ब. विवेक को कुंठा से बचाया जा सकता है	ब. उन्हें सच्चे प्रयत्न का आनंद मिलता है
स. चिन्ताशील मनुष्य साथ ढूंढता है	स. बुरी संगत से बचकर
द. जिनके हृदय में सात्विकता की उमंग उठती है	द. चरित्रबल मजबूत करके
इ. रामधीर और शांत प्रकृति के थे	इ. प्रफुल्लित चित्त का

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. सच्ची मित्रता में किसके समान निपुणता और परख होती है।

ब. उच्च आकांक्षा वाला चन्द्रगुप्त युक्ति के लिए किसका मुख ताकता था।

स. हमारा जीवन चरित्र किस उम्र में कच्ची मिट्टी की तरह होता है।

द. किस प्रकार की संगति से हमारी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है।

इ. विश्वासपात्र मित्र किसके समान होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 सच्चे मित्र की क्या पहचान है? कोई चार पहचान लिखिए।

प्रश्न–2 कुसंगति को जीवन के लिए अत्यन्त भयानक क्यों माना गया है, उसका जीवन पर प्रभाव बताइये।

प्रश्न–3 ऐसे पुराण/इतिहास प्रसिद्ध दो उदाहरण दीजिए जिनमें भिन्न प्रकृति होते हुए भी सच्ची मित्रता थी? क्यों थी यह भी स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–4 मित्र बनाने से पहले हमें उसके स्वभाव का अनुसंधान क्यों कर लेना चाहिए? कोई तीन तर्क लिखिए।

प्रश्न–5 बचपन में की गई मित्रता और आयु में परिपक्वता आने पर की गई मित्रता में क्या अंतर हो सकता है। कोई तीन अंतर लिखिए?

प्रश्न–6 "मित्रता" निबंध के अंत में लेखक ने काजल की कोठरी का उल्लेख क्यों किया है? मित्रता भाव के साथ इसका संबंध स्थापित कीजिए।

प्रश्न–7 "सच्ची मित्रता में उत्तम वैद्य की सी निपुणता परख होती है" लेखक का इस कथन से क्या आशय है।

प्रश्न–8 लेखक ने किन लोगों के लिए कहा है कि "हमें चारों ओर जड़ मूर्तिया सजाना नहीं है"।

प्रश्न–9 राज दरबार में जगह न मिलने पर इंग्लैण्ड का विद्वान अपने भाग्य को क्यों सराहता रहा? यदि आपको ऐसा मौका मिले तो आप क्या करेंगे।

प्रश्न–10 विवेक को कुंठा से बचाने के लिए हमें क्या–क्या प्रयास करने चाहिए।

12. बूढ़ी काकी (कहानी प्रेमचन्द)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. बूढ़ी काकी कहानी के लेखक का नाम ..... है।
(मुंशी प्रेमचन्द/जयशंकर प्रसाद)

ब. बुढ़ापा बहुधा ..... का पुनरागमन हुआ करता है।
(बचपन का/युवावस्था का)

स. बूढ़ी काकी ..... कहानी है।
(चरित्र प्रधान/घटता प्रधान)

द. लड़कों को वृद्धों से स्वाभाविक ..... होता है।
(प्रेम/विद्वेष)

ई. बुद्धिराम के घर ..... था।
(जन्मोत्सव/तिलक उत्सव)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प चुनिए :–

अ. बूढ़ी काकी पत्तलों से चुन–चुन कर भक्षण करने लगी –
1. पूड़ी के टुकड़े 2. मिठाई 3. रायता 4. सब्जी

ब. बूढ़ी काकी रो भी न सकी –
1. अपशकुन के भय से 2. मार के भय से 3. थकने से 4. नींद से

स. रूपा बहुत उद्विग्न हो रही थी –
1. कार्यभार से 2. खर्च से 3. झंझट से 4. काकी से

द. बुद्धिराम के दरवाजे में बज रही थी –
1. ढोलक 2. शहनाई 3. तबला 4. हारमोनियम

ई. प्रेमचन्द का वास्तविक नाम था –
1. धनपतराय 2. बुद्धिराम 3. नगेन्द्र 4. सियाराम

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य छाँटिए –

अ. बुद्धिराम के लड़के बूढ़ी काकी को सताते थे।

ब. बूढ़ी काकी ने अपनी सारी सम्पत्ति भतीजे के नाम लिख दी।

स. बुद्धिराम और रूपा ने सबसे पहले काकी को भोजन कराया।

द. बूढ़ी काकी कहानी में शहरी उत्सव तथा भोज का सजीव चित्रण है।

प्रश्न–4. निम्नलिखित 'क' स्तंभ से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइये :–

'क'	'ख'
अ. बूढ़ी काकी अपने कष्टों की ओर आकर्षित करती थी	अ. उनके कोष पर आंच न आती।
ब. बुद्धिराम तब तक सज्जन थे जब तक कि	ब. वृद्धों के व्यवहार की
स. रूपा स्वभाव से उग्र थी	स. भारतीय संस्कृति का प्रतीक है
द. बूढ़ी काकी कहानी मनोविज्ञान की व्याख्या है	द. वह ईश्वर से डरती थी
इ. बुजुर्गो की सेवा करना	इ. जोर–जोर से रोकर

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. बूढ़ी काकी की कल्पना में किसकी तस्वीर नाचने लगी।

ब. लाड़ली अपने पिता के किस व्यवहार पर कुढ़ रही थी।

स. रूपा कौन सा दृश्य देख कर कॉप उठी।

द. रूपा ने ईश्वर से प्रार्थना क्यों की?

इ. बूढ़ी काकी कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 बूढ़ी काकी के किस व्यवहार से उनके प्रति सहानुभूति जागती है और क्यों?

प्रश्न–2 वृद्धों और बालकों के व्यवहार में लेखक ने कौन सी समानता बताई है? कोई चार समानताऐं लिखिए।

प्रश्न–3 परिवार के वृद्धों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए। भारतीय संस्कृति में वृद्धों को जो सम्मान दिया गया है उसके परिपेक्ष्य में अपना मत स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–4 प्रेमचन्द्र ने अपनी कहानी बूढ़ी काकी में जिस उत्सव में सामूहिक भोज का वर्णन किया है उसके आधार पर किन्हीं चार भारतीय परम्पराओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न–5 भोजन न मिलने पर बूढ़ी काकी के मन में क्या विचार आए। उनकी मनोदशा का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न–6 बूढ़ी काकी कहानी के माध्यम से लेखक ने आधुनिक युवा पीढ़ी को क्या संदेश दिया है?

प्रश्न–7 "लड़कों को वृद्धों से स्वाभाविक विद्वेष होता है" लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

प्रश्न–8 "बुद्धिराम स्वाभाव से सज्जन थे किन्तु उस समय तक जब तक कि उनके कोष पर आँच न आए"। लेखक ने इस कथन के आधार पर बुद्धिराम के चरित्र की किस विशेषता की ओर संकेत किया है?

प्रश्न–9 बूढ़ी काकी ने स्वादिष्ट भोजन खाने के जो मंसूबे बाँधे उनका वर्णन कीजिए।

प्रश्न–10 "संतोष सेतु जब टूट जाता है तब इच्छा का बहाव अपरिमित हो जाता है" लेखक के इस कथन को समझाइए।

13. टेलीफोन (हरिशंकर परसाई)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए :–

अ. टेलीफोन पाठ ..... विद्या पर आधारित है।

(व्यंग्य / वर्णन)

ब. टेलीफोन के आविष्कार से मनुष्य जाति का ..... स्तर उठ गया।

(नैतिक / धार्मिक)

स. टेलीफोन पाठ के लेखक का नाम ..... है।

(हरिशंकर परसाई / सुदर्शन)

द. फोन के रिसीवर में ..... भाग होते है।

(दो / तीन)

ई. आज के युग में फोन सर्वथा ..... है।

(सार्थक / निरर्थक)

प्रश्न–2. निम्नलिखित वाक्यों के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए :–

अ. लेखक के अनुसार टेलीफोन के कारण संसार में सत्य भाषण बढ़ा है –

1. 67 प्रतिशत 2. 50 प्रतिशत 3. 30 प्रतिशत 4. 40 प्रतिशत

ब. टेलीफोन पर लोागें को बात करना नहीं आता है क्योंकि –

1. भारत पिछड़ा देश है 2. फोन शिष्टाचार प्रयोग नहीं करते

3. अनपढ़ है 4. अनजान है

स. आर्कमिदीस का नाम किस रूप में प्रसिद्ध है –

1. वैज्ञानिक 2. विचारक 3. कलाकार 4. ज्योतिषी

द. टेलीफोन पाठ में हमारे व्यवहार पर चोट की है –

1. सामान्य व्यवहार 2. सिद्धांतों पर 3. रूठने पर 4. प्रसन्न होने पर

ई. आज के युग में सामाजिक संबंध निभाना आसान है –

1. टेलीफोन के कारण 2. पत्र व्यवहार के कारण 3. दूरदर्शन 4. नेट

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य वाक्य छाँटिए –

अ. टेलीफोन पर बातचीत करके आदमी थकान भुला देता है।

ब. लेखक के अनुसार टेलीफोन की घंटी बजते ही चोंगा उठा लेना चाहिए।

स. व्यवसायी और नेता अपनी तरफ से झूठ बोलने के लिए नौकर रख लेते है।

द. टेलीफोन पर केवल झूठ बोला जाता है।

इ. जहाँ कॉल का पैसा नहीं लगता, वहाँ तो हमेशा बात करनी चाहिए।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों की उचित जोड़िया बनाईये :–

'क'	'ख'
अ. पिताजी फोन उठाते और कहते	अ. भौं–भौं करते।
ब. टेलीफोन पाठ का उद्देश्य	ब. हेलो कहना चाहिए।
स. चोंगा उठाकर उसमें जोर से	स. कोरा लिफाफा।
द. फोन का रिसीवर मुंह से लगाते ही कुत्ते	द. और क्या समाचार है।
इ. जिनसे बोलचाल बंद है उन्हें लिफाफे में भेजा जा सकता है	इ. फायदे की दो–तीन बातें सूचित कर सकते है।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. लेखक के अनुसार मनुष्य जाति के मुंह कितने प्रकार के होते है?

ब. मुफ्त कॉल करने के लिए क्या बहाना बनाया जा सकता है?

स. लेखक पिताजी में फोन करने के बाद क्या परिवर्तन देखते हैं?

द. कॉल रेट न होने का पूरा फायदा कैसे उठाया जाता है।

इ. माँ किनसे घण्टों बात करती है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 आज के युग में फोन की क्या उपयोगिता है? कोई चार उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–2 फोन करने और सुनने के समय किन–किन शिष्टाचारों का ध्यान रखना चाहिए।

प्रश्न–3 लेखक ने मुफ्त कॉल के कौन से दुरूपयोग बताए हैं?

प्रश्न–4 फोन के आविष्कार से सामाजिक सम्बन्धों में क्या बदलाव आए हैं?

प्रश्न–5 फोन के लाभ और हानियों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–6 टेलीफोन पाठ के आधार पर लेखक के व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न–7 टेलीफोन पाठ से उन स्थलों का चयन कीजिए जहॉ हास्य–व्यंग्य उभर कर सामने आया हो।

प्रश्न–8 टेलीफोन पाठ के शिक्षाप्रद पक्ष पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।

14. देवताओं के अंचल में
(सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय')

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए :–

अ. मणिकर्ण तीर्थ में ..... के कई स्त्रोत हैं।

(गर्म पानी / ठण्डे पानी)

ब. मंडी से कुलू प्रदेश जाते हुए ..... नदी को रस्सी के झूलना पुल से पार करना पड़ता है।

(व्यास / झेलम)

स. व्यास नदी के बहाव के कारण भूमि कटकर ..... हो गई है।

(समतल / चिकनी)

द. जगत सुख गांव में कई दर्शनीय ..... हैं।

(झरने / प्राचीन मंदिर)

ई. मनाली में ..... नामक पक्षी पाया जाता है।

(राजहंस / मुनाल)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प चुनिए :–

अ. कलाथ के गर्म पानी के कुंड की काफी मात्रा में है –

1. पोटेशियम 2. गंधक 3. आक्सीजन 4. नाइट्रोजन

ब. रोहतंग की जोत पर ही कुंड है –

1. व्यास कुंड 2. मुनि कुंड 3. सती कुण्ड 4. राम कुंड

स. कुलू प्रांत में पूजी जाती है –

1. सुरसा देवी 2. हिडिंबा देवी 3. मनसा देवी 4. चण्डी देवी

द. कुलू में प्रसिद्ध मन्दिर है –

1. रघुनाथ का 2. दुर्गा का 3. शिव का 4. हनुमान का

ई. कट्राईं, मछली के शिकार के लिए बहुत अच्छा है –

1. ट्राउट मछली 2. ईल मछली 3. व्हेल मछली 4. शार्क मछली

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य छॉटिए –

अ. कलाथ के पानी का कुण्ड स्थानीय लोगों के लिए लान्ड्री की तरह है।

ब. लेखक की सबसे बड़ी आकांक्षा देव भूमि में एक कविता संग्रह लिखने की थी।

स. रोयरिक द्वारा स्थापित हिमालयन रिसर्च इंस्टीट्यूट मंडी में है।

द. लेखक अज्ञेय उपन्यास को जीवन दर्शन मानते थे।

इ. मणीकर्ण तीर्थ स्थान पर पानी के सोतों की उष्णता एक जैसी है।

प्रश्न–4. निम्नलिखित 'क' स्तंभ से 'ख' का मिलान कर वाक्यांशों की उचित जोड़ियाँ बनाईये :–

'क'	'ख'
अ. कुलू प्राचीन हिन्दू सभ्यता का	अ. मनाली आते है।
ब. कुलू प्रदेश का नाम	ब. 'अरे यायावार याद रहेगा' से लिया है।
स. शिमला से फैशनबल सैलानी वीकएंड में	स. गहवारा है।
द. प्रस्तुत पाठ लेखक ने अपनी पुस्तक	द. रमणीय स्थल हैं।
इ. कुलू प्रदेश में अपार	इ. देवताओं का अंचल पड़ा।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. लेखक के अनुसार देवताओं का अंचल कहाँ से प्रारंभ होता है?

ब. प्रस्तुत पाठ को गद्य की किस विधा के अंतर्गत रखा जा सकता है?

स. कुलू में विशाल मेला कब भरता है?

द. हिमालयन रिसर्च इंस्टीट्यूट किसने स्थापित किया?

इ. मनाली में बाहर से आकर बसने वाले लोगों की बस्ती का क्या नाम है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 लेखक ने मंडी से प्रारंभ होने वाली यात्रा को 'देवताओं का अंचल आरंभ' होने का क्या प्रमाण दिया?

प्रश्न–2 'कुलु को देवताओं' का अंचल क्यों कहा गया है?

प्रश्न–3 लेखक ने कुलू क्षेत्र को हिन्दू सभ्यता का गहवारा क्यों कहा है?

प्रश्न–4 लेखक ने कुलू दशहरे मेले का किस प्रकार से वर्णन किया है?

प्रश्न–5 पाठ के आधार पर दाना और मनाली गांव का वर्णन कीजिए?

प्रश्न–6 कोकसर पड़ाव का वर्णन लेखक ने किस प्रकार किया है?

प्रश्न–7 लेखक ने अपनी यात्रा स्थान के अनुभवों के पश्चात् स्वयं को किसके समकक्ष माना और

क्यों?

प्रश्न–8 देवताओं का अंचल कहे जाने वाले स्थानों में से किसी दो स्थानों की रमणीयता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–9 कुलू और मनाली में कौन–कौन से दर्शनीय स्थल हैं उनका धार्मिक महत्व बताईए।

प्रश्न–10 लेखक किस आकांक्षा को लेकर शहरी हलचल से दूर प्रकृति की गोद में गए थे? किस सीमा तक उनकी आकांक्षा पूरी हो सकी।

प्रश्न–11 अपने किसी परिचित क्षेत्र की नैसर्गिक सुन्दरता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–12 अपने जीवन की किसी महत्वपूर्ण स्मरणीय यात्रा का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–13 यात्रा वृतान्त विधा अन्य विधाओं से किस तरह अलग है? इस विधा के महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–14 पाठ के आधार पर पहाड़ी सौन्दर्य और रमणीयता का वर्णन कीजिए।

15. न्यायमंत्री (कहानी)
लेखक – सुदर्शन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. शिशुपाल अपने गांव के सबसे ..... ब्राह्मण थे।
(निर्धन / धनवान)

ब. सम्राट अशोक अपने शासन के आरंभिक समय में अत्यन्त ..... थे।
(निर्दयी / दयालु)

स. सम्राट अशोक के राज्य की राजधानी का नाम ..... था।
(पाटलीपुत्र / वाराणसी)

द. सम्राट अशोक ने शिशुपाल को अपनी ..... दी।
(माला / राजमुद्रा)

ई. न्यायमंत्री ने न्याय के लिए ..... को भी नहीं बख्शा।
(सम्राट / शिशुपाल)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. शिशुपाल सम्राट अशोक के राज्य के न्यायमंत्री थे –
1. निडर 2. कायर 3. वीर 4. चालाक

ब. शास्त्रों में राजा को माना गया है –
1. शासक 2. ईश्वर तुल्य 3. सनकी 4. हत्यारा

स. शिशुपाल की न्याय व्यवस्था से सम्राट अशोक ने अनुभव किया –
1.अत्यंत क्रोध का 2. आनन्द का 3. लज्जा का 4. प्रेम का

द. शिशुपाल की न्याय व्यवस्था अत्यन्त थी –
1. सजग 2. लापरवाह 3. चिन्ताजनक 4. असहनीय

ई. सम्राट अशोक ने शिशुपाल को न्याय व्यवस्था क्या देखकर सौंपी –
1. उनकी मित्रता 2. उनकी योग्यता 3. उनकी जाति 4. उनकी शिक्षा

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य छाँटिए –

अ. घोर दरिद्रता में भी शिशुपाल स्वस्थ्य एवं तुदंरूस्त थे।

ब. भारत वर्ष में अतिथि सत्कार की रीति प्रचलित थी।

स. शिशुपाल विद्वान एवं तत्वदर्शी ब्राह्मण थे।

द. सम्राट अशोक के बुलावे पर शिशुपाल भय से काँप–काँप गए।

इ. अतिथि के रूप में स्वयं सम्राट शिशुपाल के घर आए थे।

प्रश्न–4. निम्नलिखित 'क' स्तंभ से 'ख' का मिलान कर वाक्यांशों की सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'	'ख'
अ. न्यायमंत्री कहानी की पृष्ठभूमि	अ. दंड घोषित किया।
ब. राजकर्मचारी को मारने का राज	ब. ऐतिहासिक है।
स. न्याय के सम्मुख सभी जाति और पद में	स. परखना चाहते थे।
द. सम्राट अशोक न्यायमंत्री को	द. समान है।
इ. न्यायमंत्री ने महाराज के लिए	इ. एक स्त्री ने बताया।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. शिशुपाल की पहले आर्थिक स्थिति कैसी थी?

ब. सम्राट अशोक न शिशुपाल को किस पद पर नियुक्त किया?

स. सम्राट अशोक ने अजनबी अमीर बन कर कौन सा अपराध किया था?

द. न्यायमंत्री ने सम्राट को फाँसी देने के लिए क्या किया?

इ. न्यायमंत्री ने सम्राट को सशरीर फॉसी क्यों नहीं दी?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 शिशुपाल के घर अतिथि के रूप में कौन आया था? सम्राट शिशुपाल की किन बातों से प्रभावित हुए?

प्रश्न–2 शिशुपाल ने वर्तमान न्याय व्यवस्था में कौन सी कमियां देखी?

प्रश्न–3 न्यायमंत्री के रूप में शिशुपाल ने किस प्रकार कार्य किया? उसकी पूरे राज्य में क्या प्रतिक्रिया थी।

प्रश्न–4 न्यायमंत्री को प्रहरी के हत्यारे का पता कैसे चला?

प्रश्न–5 सम्राट अशोक के दरबार से बुलावा आने पर शिशुपाल की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्रश्न–6 न्यायमंत्री ने महाराज को दण्ड किस प्रकार दिया?

प्रश्न–7 आपके विचार में वर्तमान न्याय व्यवस्था और शिशुपाल की न्याय व्यवस्था में क्या अंतर है?

प्रश्न–8 पाठ के आधार पर शिशुपाल का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न–9 आपकी दृष्टि में न्यायमंत्री कैसा होना चाहिए।

प्रश्न–10 वर्तमान में बढ़ते अपराधों को नियंत्रण में करने के लिए किस प्रकार का शासन होना चाहिए? अपने विचार लिखिए।

प्रेरक प्रसंग
16. जब चाणक्य ने दूसरा दीपक जलाया (संकलित)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. ..... जीवन को उदात्त बनाता है।

(त्याग / पैसा)

ब. 'जब चाणक्य ने दूसरा दीपक जलाया' एक ..... प्रसंग है।

(प्रेरणादायक / समस्यामूलक)

स. सम्राट चन्द्रगुप्त के साथ विशिष्ट अतिथि ..... थे।

(मैगस्थनीज / सैल्यूकस)

द. चाणक्य ने एक ..... बुझाकर दूसरा जला दिया।

(चूल्हा / दीपक)

ई. चाणक्य चन्द्रगुप्त के दरबार में ..... के पद पर थे।

(महामंत्री / सेनापति)

प्रश्न–2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. चाणक्य महामंत्री होते हुए भी सम्राट के –

1. गुरू थे 2. मित्र थे 3. पिता थे 4. स्वामी थे

ब. इस प्रेरक प्रसंग में चाणक्य का गुण चित्रित किया है –

1. देशभक्ति 2. मितव्ययता 3. प्रेम 4. संकल्प

स. सैल्यूकस को हमारा देश कैसा लगा –

1. उन्मादी 2. धार्मिक 3. विचित्र 4. सुदंर

द. चन्द्रगुप्त के दरबार में मैगस्थनीज थे –

1. अतिथि 2. राजदूत 3. सेवक 4. मित्र

ई. मैगस्थनीज चाणक्य के थे –

1. मित्र 2. आलोचक 3. प्रशंसक 4. शत्रु

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य वाक्य छाँटिए –

अ. चाणक्य ने पहला दीपक अनजाने में बुझा दिया।

ब. सैल्यूकस को भारत देश प्रिय किंतु विचित्र लगा।

स. चाणक्य चरित्रवान तथा प्रतिभाशाली महामंत्री थे।

द. चाणक्य ने राजकीय कार्य के लिए निजी रूपयों से तेल डाला था।

इ. चाणक्य की कुटिया साधारण और निर्धनता दर्शाने वाली थी।

प्रश्न–4. निम्नलिखित 'क' स्तंभ से 'ख' का मिलान कर वाक्यांशों की सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'	'ख'
अ. प्रेरक प्रसंग में चाणक्य की	अ. उच्चादर्शों से प्रभावित था।
ब. चाणक्य की राजनीतिक बुद्धिमत्ता	ब. विशाल भवन की कल्पना की थी।
स. प्रस्तुत प्रसंग भोगवादी दृष्टिकोण का	स. त्याग भावना दर्शाई गई है।
द. सैल्यूकस चाणक्य के	द. विश्वप्रसिद्ध थी।
इ. सैल्यूकस ने चाणक्य के निवास के	इ. निषेध करता है।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. चाणक्य कौन थे?

ब. सैल्यूकस कहाँ के राजा थे?

स. सैल्यूकस और चन्द्रगुप्त का सम्बन्ध किस प्रकार का था?

द. चाणक्य ने पहला दिया क्यों बुझा दिया?

इ. चाणक्य किस रूप में इतिहास प्रसिद्ध है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 सैल्यूकस भारत क्यों आया? उसके सम्राट चन्द्रगुप्त से किस प्रकार के सम्बन्ध थे।

प्रश्न–2 आचार्य चाणक्य के चरित्र की विशेषताएं बताईये।

प्रश्न–3 आचार्य चाणक्य की कुटिया का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–4 आचार्य चाणक्य के व्यवहार से सैल्यूकस पर क्या प्रभाव पड़ा होगा। कल्पना कीजिए।

प्रश्न–5 आधुनिक युग में नीति निर्माता या प्रशासनिक अधिकारी आचार्य चाणक्य की तरह त्यागी, कर्त्तव्यनिष्ठ, ईमानदार हो जाएं तो देश का स्वरूप कैसा हो जाएगा?

प्रश्न–6 आचार्य चाणक्य से मिलने से पहले सैल्यूकस ने ऐसा क्यों सोचा कि वे किस भव्य और विशाल भवन में रहते होंगे।

17. मेहमान की वापसी (कहानी) – मालती जोशी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. मेहमान की वापसी कहानी की रचना ..... ने की है।

(महादेवी वर्मा / मालती जोशी)

ब. प्रस्तुत कहानी में ..... के प्रति मनुष्यों के प्रेम को चित्रित किया गया है।

(मूक पशुओं / पक्षियों)

स. राय अंकल के कुत्ते का नाम ..... था।

(जॉय / जॉली)

द. सबके सो जाने पर कुत्ता ..... लगा।

(खाने / रोने)

ई. जॉली के रोने की आवाज से मम्मी ..... उठी।

(दुखी हो / झल्ला)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. रात के समय जॉली अजय को लगा –

1. खूंखार 2. असहाय 3. उनींदा 4. प्यारा

ब. मम्मी ने जॉली को खाने के लिए दी –

1. दूध–रोटी 2. ब्रेड 3. मिठाई 4. डॉगफूड

स. जॉली ने पंजे उठाकर अजय का किया –

1. नुकसान 2. स्वागत 3. सामन. 4. झगड़ा

द. जॉली अजय के घर रहा –

1. रिश्तेदार की तरह 2. मेहमान की तरह 3. दुश्मन की तरह 4. आफत की तरह

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य वाक्य छाँटिए –

अ. कुत्ता वफादार प्राणी होता है।

ब. अजय के पिता कुत्तों से घृणा करते थे।

स. अंकल राय जॉली से परेशान होकर उसे छोड़ गए थे।

द. जानवर भी प्यार के भाव को पहचानते हैं।

इ. जॉली के जाने के बाद वह कोना सूना–सूना लग रहा था।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों की सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'		'ख'	
अ.	जॉली के जाने के बाद अजय को	अ.	छोड़ने लेने जाता।
ब.	अजय को अभिमान के कारण	ब.	खाना जहर लग रहा था।
स.	राय अंकल रात को आए	स.	जॉली को गुड मार्निंग।
द.	जॉली अजय को सड़क तक	द.	जॉली को लेकर।
इ.	अगले दिन बिस्तर से उठते ही अजय ने किया	इ.	रूलाई आ गई।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. जॉली को पहली रात खाना किसने खिलाया?

ब. अजय के घर सुबह दोस्तों की भीड़ क्यों लग गई?

स. कुत्ते की क्या विशेषता होती है?

द. राय अंकल जॉली को अजय के घर क्यों छोड़ गए थे।

इ. दोस्तों के कुट्टी कर लेने पर भी अजय परवाह क्यों नहीं करता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 मेहमान की वापसी कहानी के आधार पर बताईए कि मेहमान कौन था? उसकी वापसी कैसे हुई।

प्रश्न–2 प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–3 कहानी के आधार पर बच्चों का मनोविज्ञान कैसा होता है? समझाईए।

प्रश्न–4 अजय और जॉली के सम्बन्ध किस प्रकार प्रगाढ़ होते गए?

प्रश्न–5 अन्य मेहमानों में और एक कुत्ते के मेहमान बनने में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–6 एक पशु भी प्रेम की कीमत जानते है, उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए।

प्रश्न–7 अजय के साथ जॉली की दिनचर्या कैसी थी?

प्रश्न–8 बोरी भर आटा रख देने के बाद भी अजय की मम्मी क्यों झल्लाई? अवांछित मेहमान के आने से उनके व्यवहार में प्रारंभ में क्या और क्यों परिवर्तन आया?

प्रश्न–9 अजय को किस घटना को याद करने के पश्चात् जॉली के प्रति करूण भाव जागा?

प्रश्न–10 मूक पशुओं के प्रति हमारे मानवीय भाव कैसे होना चाहिए? हमें उनके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

18. समर्पण (एकांकी) – डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. महाराणा प्रताप ..... के राजा थे।

(मेवाड़ / जयपुर)

ब. महाराणा प्रताप ने ..... की सेना से युद्ध किया था।

(औरंगजेब / अकबर)

स. महाराणा प्रताप के शत्रु ..... थे।

(राजा मानसिंह / कुंजर सिंह)

द. संधि पत्र लिखकर महाराणा प्रताप ने ..... की आधीनता स्वीकार करने का मन बनाया।

(अंग्रेजों / यवनों)

ई. अकबर की विशाल सेना से महाराणा प्रताप ने ..... में सामना किया।

(अरावली पर्वत / हल्दी घाटी)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. अकबर ने कहा था कि मैनें महाराणा प्रताप सा अपने जीवन में नहीं देखा –

1. सहनशील 2. वीर 3. कायर 4. साहसी

ब. भामाशाह महाराणा प्रताप के थे –

1. मित्र 2. शत्रु 3. मंत्री 4. दरबारी

स. भारत माँ किसकी ओर टकटकी लगाए देख रही है –

1. वीरों की ओर 2. महाराणा प्रताप 3. कुंजर सिंह 4. अकबर

द. महाराणा प्रताप ने अपने वंश की मर्यादा रखी –

1. हाड़ा वंश 2. सिसौदिया वंश 3. गुप्त वंश 4. ब्राह्मण वंश

इ. भामाशाह अपने साथ लेकर आए थे –

1. सैनिक 2. संधि पत्र 3. धन की थैली 4. आज्ञा पत्र

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य वाक्य छाँटिए –

अ. महाराणा प्रताप ने अकबर की अधीनता स्वकार कर ली थी।

ब. महाराणा प्रताप की पत्नी लक्ष्मी ने उन्हें संधि पत्र लिखने को कहा।

स. प्रताप की बेटी रजनी को वन में पकवान खाने को मिले।

द. संधि पत्र लिखना महाराणा प्रताप की भूल थी।

इ. महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम चेतक था।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों की सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'		'ख'	
अ.	लक्ष्मी के समान वीर ललनाओं पर भारत को	अ.	अपयश नहीं ले सकते।
ब.	वीर पुरूष भटक सकते हैं पर	ब.	कर्तव्य का ध्यान रखते है।
स.	भावशील कवित को प्रताप के समर्पण ने	स.	वीर नहीं होते।
द.	वीर सुख और दुःख दोनों में	द.	गर्व है।
इ.	दुःख में जो विचलित होते हैं	इ.	दहला दिया।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. सर्मपण एकांकी इतिहास के किस कालखंड पर आधारित है।

ब. सर्मपण एकांकी किसके जीवन चरित्र पर आधारित है।

स. किसकी पीड़ा देखकर महाराणा प्रताप विवश होकर संधि पत्र लिख देते हैं।

द. महाराणा प्रताप को किसने गौरवशाली अतीत का स्मरण करवा के संधि पत्र लिखने से रोका?

इ. संधि पत्र को कवि पृथ्वीराज ने क्या बताया?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 महाराणा प्रताप संधि पत्र लिखने को विवश क्यों हो गए?

प्रश्न–2 महाराणा प्रताप के चरित्र के आधार पर भारतीय परम्पराओं एवं ऐतिहासिक स्वर्णिम अतीत का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–3 लक्ष्मी के चरित्र के आधार पर भारतीय नारियों के वीरतापूर्ण त्याग एवं बलिदान भाव का चित्रण कीजिए।

प्रश्न–4 कवि ने संधिपत्र को जाली क्यों कहा? वे क्या चाहते थे।

प्रश्न–5 'परिस्थितियों से वीर विवश नहीं होते तथा कर्त्तव्य नहीं छोड़ते', इस कथन के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न–6 लक्ष्मी के ही समान किसी वीरांगना भारतीय नारी का चित्रण कीजिए।

प्रश्न–7 महाराणा प्रताप ने पृथ्वीराज कवि से ऐसा क्यों कहा कि 'आपने मुझे पुनः जीवित किया है'? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–8 भामाशाह ने महाराणा प्रताप की किस प्रकार सहायता की? इतिहास में उस सहायता से क्या मोड़ आया? समझाइये।

प्रश्न–9 कवि पृथ्वीराज ने महाराणा प्रताप को क्या कहकर समझाया?

प्रश्न–10 महाराणा प्रताप ने क्या प्रतिज्ञा की? उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति ने उन्हें किस प्रकार महानायक बनाया, स्पष्ट कीजिए।

19. (वैज्ञानिक निबन्ध) डॉ. जगदीश चन्द्र बसु संकलित

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. प्रस्तुत वैज्ञानिक निबंध ..... के जीवन पर आधारित है।

(डॉ. सी.वी. रमन/डॉ. जगदीश चन्द बसु)

ब. बचपन में ही डॉ. बसु के मन में ..... जिज्ञासा जाग गई।

(पेड़–पौधों के लिए/नदियों के लिए)

स. पेड़–पौधे, भोजन और पानी पाकर ..... होते है।

(प्रसन्न/जागृत)

द. डाली या पत्ते टूटने पर पेड़–पौधों को भी ..... होता है।

(अनुभव/कष्ट)

ई. जगदीश चन्द्र बसु का जन्म ..... ढाका में हुआ था।

(1858 में/1958 में)

उ. पाठशाला में बसु के साथी किसान और ..... के बेटे थे।

(मजदूरों/मछुआरों)

ऊ. वे कलकत्ता के ..... कालेज में भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर नियुक्त हुए।

(सेंट मेरी/प्रेसीडेंसी)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. पौधों की वृद्धि नापने का सही यन्त्र है –

1. थर्मामीटर 2. मीटर 3. कॉस्कोग्राफ 4. रिकॉर्ड

ब. यूरोप के लोग जगदीशचन्द्र बसु को कहने लगे थे –

1. जादूगर 2. वैज्ञानिक 3. पूर्व का जादूगर 4. ज्ञाता

स. बसु महोदय ने 1906 में अपना ग्रन्थ प्रकाशित करवाया –

1. वृक्षों की महत्ता 2. वृक्ष और जीवन 3. हमारे वृक्ष 4. वृक्षों में जीव

द. डॉ. बसु के अभिन्न मित्र थे –

1. नेहरू जी 2. गांधी जी 3. मैथिलीशरण गुप्त 4. रवीन्द्रनाथ ठाकुर

इ. डॉ. बसु ने रामायण में वर्णित बूटी पर भी कई वैज्ञानिक अनुसंधान किए –

1. बिच्छू बूटी 2. जड़ीबूटी 3. अक्षय बूटी 4. संजीवनी बूटी

इ. उन्होंने देश के प्रचार–प्रसार के लिए संस्था स्थापित की –

1. विज्ञान मंदिर 2. ज्ञान मंदिर 3. अनुसंधान मंदिर 4. बसु भवन

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य वाक्य चुनिए –

अ. पेड़–पौधों को भी सुख–दुःख का अनुभव होता है।

ब. पेड़–पौधे हमेशा जागते रहते है।

स. जगदीशचन्द्र बसु देश छोड़कर जाना नहीं चाहते थे।

द. बेतार के तार के आविष्कारक सर्वप्रथम बसु ही थे।

इ. जगदीशचन्द्र बसु में पेड़–पौधों के प्रति जिज्ञासा भाव बचपन से ही था।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही जोड़ी मिलान कीजिए :–

'क'	'ख'
अ. जगदीशचन्द्र बसु का गुण था	अ. लकीर का फकीर न होना।
ब. बसु ने अपने अनुसंधान कार्य का प्रतिवेदन	ब. रिस्पांस इन दि लिविंग एंड नान लिविंग था।
स. बसु ने साबित कर दिया कि	स. रॉयल सोसायटी भेजा।
द. उनके शोध प्रश्न का नाम	द. बेतार का तार।
इ. मार्कोनी ने आविष्कार अपने नाम रजिस्टर्ड करवा लिया	इ. पेड़–पौधों में भी जीवन है।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. बचपन में माँ ने बसु को क्या करने से मना किया?

ब. जगदीशचन्द्र बसु किस कॉलेज में पढ़ने के लिए गए?

स. उन्होनें किस क्षेत्र में आविष्कार किया?

द. जगदीशचन्द्र बसु जर्मन क्यों नहीं गए?

इ. जगदीशचन्द्र बसु का जन्म किस जगह हुआ था?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 पेड़–पौधों में जीवन है यह बात बसु ने कैसे सिद्ध की?

प्रश्न–2 जगदीशचन्द्र बसु की पेड़–पौधों के प्रति जिज्ञासा क्यों और कैसे जाग्रत हुई?

प्रश्न–3 जगदीशचन्द्र बसु ने बिना वेतन काम करना क्यों स्वीकार किया?

प्रश्न–4 डॉ. बसु ने रवीन्द्रनाथ ठाकुर को पत्र में क्या लिखा? उसका क्या प्रमाण था।

प्रश्न–5 देश की गुलामी का हमें क्या मूल्य चुकाना पड़ा? बसु के जीवन अनुभव के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्रश्न–6 किस घटना से जगदीशचन्द्र बसु के स्वाभिमानी होने का पता चलता है?

प्रश्न–7 डॉ. बसु की वैज्ञानिक उपलब्धियों पर लेख लिखिए?

प्रश्न–8 छोटी सी घटना भी किस प्रकार जीवन की धारा बदल देती है?

प्रश्न–9 पठित पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्रश्न–10 डॉ. बसु को पूर्व का जादूगर क्यों कहा और किसने कहा?

प्रश्न–11 डॉ. बसु का पठित पाठ के आधार पर चरित्र चित्रण कीजिए।

20. गुणवन्ती (कहानी) – संकलित

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

अ. मोहन के अनाथ होने पर उसका पालन–पोषण उसकी ..... ने किया।
(नानी / सौतेली बहन)

ब. राजकुमारी ने उसे बाजार से ..... लाने को कहा।
(सुई–धागा / चाकू)

स. राजकुमारी ने सुन्दर–सुन्दर ..... बनाई।
(पोशाक / गुडियाएँ)

द. वह अपने से ..... व्यक्ति से शादी करना चाहती थी।
(वीर / गुणवान)

ई. गुड़िया बहुत ..... बनी थी।
(बड़ी / सुन्दर)

प्रश्न–2. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :–

अ. राजकुमारी का विवाह हो जाता है –
1. राजकुमार से 2. वीर से 3. निर्धन से 4. अनपढ़ निर्धन से

ब. मोहन ने अपने विवाह की इच्छा प्रकट की –
1. बहन से 2. भाई से 3. माता से 4. पिता से

स. राजकुमारी की डोली रूक गई –
1. महल में 2. किले में 3. टूटी झोपड़ी में 4. गांव में

द. राजकुमारी ने सामान बुलवा कर बनाए –
1. गद्दे 2. खिलौने 3. तकिए 4. कपड़े

इ. राजा अपनी बेटी के विवाह के लिए था –
1. परेशान 2. प्रयासरत 3. दुःखी 4. प्रसन्न

प्रश्न–3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य वाक्य चुनिए –

अ. मोहन बहुत गरीब और अनाथ था।

ब. मोहन से सभी रिश्ता करने को तैयार थे।

स. राजकुमारी बड़ी गुणवन्ती थी।

द. नाई ने कभी कोई शादी नहीं करवाई थी।

इ. राजा को अपनी गलती का अहसास हुआ।

प्रश्न–4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर निम्नलिखित वाक्यांशों का सही मिलान कीजिए :–

'क'		'ख'	
अ.	नाई ने मोहन से मँगवाई	अ.	प्रथम पुरस्कार।
ब.	नाई ने मोहन को रूकने को कहा	ब.	राजा को ही करना था।
स.	उन्होंने राजा से भी बड़ा	स.	बरगद के नीचे।
द.	राजकुमारी को मिला	द.	अच्छी सी पोशाक।
इ.	पुरस्कार वितरण कार्य	इ.	महल बनवाया।

प्रश्न–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

अ. मोहन की बहन का व्यवहार उसके प्रति कैसा था?

ब. राजकुमारी दुःखी क्यों हुई?

स. राजकुमारी को कैसा पति चाहिए था?

द. राजकुमारी ने अपनी रेशमी साड़ी का क्या किया?

इ. खिलौने का घोड़ा लोगों को कैसा लगा?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न–1 मोहन का विवाह क्यों नहीं हुआ?

प्रश्न–2 नाई ने राजा को धोखा कैसे दिया?

प्रश्न–3 राजा नाई को बातों में कैसे आ गया?

प्रश्न–4 राजकुमारी ने अपनी किस्मत कैसे बदल ली?

प्रश्न–5 राजा ने राजकुमारी पर गर्व क्यों किया?

प्रश्न–6 प्रस्तुत कहानी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

प्रश्न–7 कहानी के शीर्षक की उपयुक्तता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न–8 राजकुमारी के चरित्र की विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न–9 अपना संकल्प पूरा करने के लिए राजकुमारी ने क्या–क्या कार्य किए।

प्रश्न–10 राजकुमारी पुरस्कार पाने के योग्य थी। इस कथन के पक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

हिन्दी साहित्य(पद्य) का इतिहास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न–1. दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास को ..... में बांटा गया है।
(तीन कालों / चार कालों)
2. वीरगाथा काल में ..... सजीव चित्रण मिलता है।
(युद्धों का / प्रकृति का)
3. वीरगाथा काल में ..... ग्रंथ लिखे गए।
(भक्ति / रासो)
4. वीरगाथा काल को ..... भी कहते है।
(आदिकाल / प्रारंभ काल)
5. भक्ति काल का समय ..... तक माना जाता है।
(1700 / 1900)
6. भक्ति काल में ..... दोनों रूपों में ईश्वर वन्दना हुई।
(सगुण–निगुर्ण / श्रद्धा–भक्ति)
7. निर्गुण धारा के कवियों ने ..... को बहुत महत्व दिया।
(गुरू / अवतारों)
8. कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों ने कृष्ण के ..... रूप की वंदना की।
(लोक रक्षक / लोकरंजक)
9. रीतिकाल की रचनाओं में ..... पक्ष की प्रधानता रही।
(भाव पक्ष / कला पक्ष)
10. रीतिकाल में ..... भेद का वर्णन किया गया।
(नायक / नायिका)
11. रीति का शाब्दिक अर्थ है .....
(नियम / छंद)
12. रीतिकाल में ..... रचनाएं अधिक लिखी गई।
(प्रबन्ध / मुक्तक)
13. आधुनिक काल का नाम ..... भी है।
(पद्यकाल / गद्यकाल)
14. आधुनिक काल की रचनाओं पर विभिन्न ..... का प्रभाव पड़ा।
(विचारधाराओं / नेताओं)

15. जयशंकर प्रसाद ..... कवि माने जाते है।

(छायावादी / प्रेमवादी)

प्रश्न–2. दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए :–

1. मलिक मोहम्मद जायसी सम्बन्धित है –

(i) वीरगाथा काल (ii) भक्ति काल (iii) रीति काल (iv) आधुनिक काल

2. सूरदास सम्बन्धित है –

(i) कृष्ण भक्ति शाखा (ii) राम भक्ति शाखा (iii) प्रेम मार्गीय (iv) ज्ञान मार्गीय

3. तुलसी का रामचरित मानस ग्रंथ है –

(i) अवधि में (ii) ब्रज में (iii) खड़ी बोली (iv) संस्कृत में

4. सूरदास ने बाल लीला का चित्रण किया है –

(i) राम की (ii) कृष्ण की (iii) गौतम की (iv) राधा की

5. गागर में सागर भरा है –

(i) बिहारी ने (ii) पद्माकर ने (iii) जायसी ने (iv) कबीर ने

6. राम के इष्टदेव थे –

(i) कृष्ण (ii) बुद्ध (iii) महावीर (iv) राम

7. मीरा कवयित्री थी –

(i) उत्तरप्रदेश की (ii) मध्यप्रदेश की (iii) राजस्थान की (iv) दक्षिण भारत की

8. 'पृथ्वीराज रासो' के रचनाकार हैं –

(i) जगनिक (ii) माखनलाल चतुर्वेदी (iii) चन्दबरदाई (iv) मैथिलीशरण गुप्त

9. प्रकृति के कवि माने जाते है –

(i) पंत जी (ii) मैथिलीशरण गुप्त (iii) सूरदास (iv) दिनकर

10. राष्ट्रीय धारा के कवि हैं –

(i) तुलसीदास (ii) मीरा (iii) माखन लाल चतुर्वेदी (iv) कबीर

11. 'खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी' लिखी है –

(i) महादेवी वर्मा ने (ii) सुभद्राकुमारी चौहान ने (iii) सेनापति ने (iv) मैथिलीशरण गुप्त ने

12. ऋतु वर्णन करने वाले प्रमुख कवि हैं –

(i) पद्माकर (ii) सूरदास (iii) जायसी (iv) कबीर

13. 'एक भारतीय आत्मा' कहा जाता है –

(i) माखनलाल चतुर्वेदी को (ii) कबीर को (iii) मीरा को (iv) सूर को

14. 'पद्मावत' के कवि है –

(i) जायसी (ii) सेनापति (iii) बिहारी (iv) तुलसी

15. 'मीरा की पदावली' में प्रेमभाव है –

(i) कृष्ण के प्रति (ii) राम के प्रति (iii) गौतम के प्रति (iv) देश के प्रति

प्रश्न–3. निम्न वाक्यों में सत्य/असत्य वाक्य छाँटिए –

1. प्रेमवर्गीय कवि प्रायः सभी हिन्दू थे।
2. वीरगाथा काल के कवि राजदरबारों में रहते थे।
3. वीरगाथा काल के कवियों ने आश्रय दाताओं का वर्णन अतिशयोक्ति पूर्ण किया है।
4. वीरगाथा काल में युद्ध का सजीव चित्रण मिलता है।
5. जगनिक का आल्हा खंड गाँव–गाँव में प्रचलित है।
6. तुलसी के साहित्य में मर्यादा पालन का भाव नहीं मिलता है।
7. तुलसी को उनके साहित्य के कारण 'लोक नायक' कहा जाता है।
8. सूर ने बाल–लीला के सभी पहलू नहीं छुए।
9. मैथिलीशरण गुप्त गाँधीवादी विचारधारा से प्रभावित थे।
10. सूरदास ने राधा–कृष्ण के प्रेम का सरस चित्रण किया।
11. कबीर के काव्य में प्रेम और श्रृंगार रस भरपूर है।
12. रसखान ने मुस्लिम होते हुए भी हिन्दी की सेवा की।
13. रहीम के दोहों में देश भक्ति मिलती है।
14. रीतिकाल में परम्परा से हटकर लिखने वाले कवि भूषण थे।
15. आधुनिक काल में कवियों ने खड़ी बोली को काव्य रचना का माध्यम नहीं बनाया।

प्रश्न–4. निम्न स्तंभ 'क' से 'ख' का सही मिलान कर जोड़ियां बनाईये :–

1.

	'क'		'ख'
अ.	चन्दबरदाई	–	सतसई
ब.	तुलसीदास	–	ऋतु वर्णन
स.	बिहारी	–	कामायनी
द.	जयशंकर प्रसाद	–	पृथ्वीराज रासो
इ.	पद्माकर	–	रामचरित मानस

2.

	'क'		'ख'
अ.	मैथिलीशरण गुप्त	–	निराला
ब.	रहीम	–	आधुनिक मीरा
स.	सूर्यकांत त्रिपाठी	–	एक भारतीय आत्मा
द.	महोदवी वर्मा	–	राष्ट्रीय धारा के कवि

इ. माखनलाल चतुर्वेदी – नीति के दोहे

3.

	'क'		'ख'
अ.	कबीर	–	बाललीला की सरसता
ब.	सूरदास	–	विद्रोही कवि
स.	तुलसीदास	–	मानवता, सद्भाव के भाव
द.	मीरा	–	कृष्ण विरह के गीत
इ.	गुरूनानक	–	राम के अनन्य भक्त

4.

	'क'		'ख'
अ.	भूषण	–	आल्हा के लोकप्रिय कवि
ब.	सेनापति	–	पृथ्वीराज चौहान के मित्र कवि
स.	जगनिक	–	प्रकृति के कुशल चितेरे
द.	जायसी	–	प्रेममार्गीय रहस्यवादी कवि
इ.	चन्दबरदाई	–	शिवाजी तथा छत्रसाल की वीरता

5.

	'क'		'ख'
अ.	मेरे तो गिरधर गोपाल	–	माखनलाल चतुर्वेदी
ब.	खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली	–	सूरदास
स.	चाह नहीं सुरवाला के गहनों में गूंथा जाऊँ	–	सुभद्राकुमारी
द.	जय हनुमान ज्ञान गुन सागर	–	रहीम
इ.	जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि	–	सूरदास
ई.	मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो	–	तुलसीदास

प्रश्न–5. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए –

1. भक्ति काल का समय कब से कब तक माना जाता है?
2. रीति काल में कौन सा रस प्रधान था?
3. कबीर दास के काव्य की भाषा कौन सी थी?
4. नायिका का नख–शिख वर्णन किस युग की रचनाओं में मिलता है?
5. नायिका का अतिशयोक्तिपूर्ण वर्णन किस युग की रचना में मिलता है?
6. आधुनिक काल के कवियों ने किस बोली को अपनाया?
7. छंद मुक्त रचनाएँ किस युग में लिखी गई?
8. रसखान को कहाँ बसने की इच्छा थी?
9. बाल लीला का सूक्ष्म एवं संपूर्ण वर्णन किस कवि ने किया?

10. राम के अनन्य भक्त कौन से कवि थे?
11. तुलसी ने किस भाव से राम के प्रति भक्ति भाव प्रकट किया?
12. सूर ने किस भाव से कृष्ण के प्रति भक्ति भाव प्रकट किया?
13. समाज सुधार एवं रूढ़ि विरोध का भाव किस कवि की रचना में मिलता है?
14. पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित वीरगाथाकालीन रचना कौन सी है?
15. प्रेममार्गीय कवियों ने ईश्वर भक्ति का कौन सा रास्ता चुना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार अंक)

प्रश्न –1 वीरगाथा काल की चार विशेषताएँ तथा इस युग के चार कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न –2 भक्ति काल की प्रमुख शाखाएँ कौन–कौन सी है?

प्रश्न –3 ज्ञानमार्गीय कवियों की काव्यगत विशेषताएँ तथा दो कवियों के नाम उनकी रचनाओं के साथ लिखिए।

प्रश्न –4 रीतिकाल का नाम रीतिकाल क्यों पड़ा। इस काल की चार विशेषताएँ बताईए।

प्रश्न –5 प्रेममार्गी कवियों की चार काव्यगत विशेषताएँ बताते हुए दो प्रमुख कवियों के नाम और उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न –6 सगुण भक्ति धारा का वर्णन कीजिए।

प्रश्न –7 भक्ति काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णिम काल क्यों कहा गया?

प्रश्न –8 वीर गाथा काल का नाम वीरगाथा काल क्यों पड़ा?

प्रश्न –9 आधुनिक काल की सामाजिक तथा राजनीतिक परिस्थितियों का चित्रण करते हुए इस युग के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न –10 आधुनिक काल की किसी एक काव्यधारा की चार विशेषताएँ बताईए तथा प्रमुख कवियों का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न –11 आधुनिक काल के प्रमुख छायावादी कवियों का उल्लेख उनकी रचनाओं के साथ कीजिए।

प्रश्न –12 आधुनिक काल के प्रमुख चार कहानीकारों का उल्लेख उनकी एक–एक प्रमुख कहानी के साथ कीजिये।

प्रश्न –13 आधुनिक काल में हिन्दी निबंध का विकास संक्षेप में लिखिये तथा प्रमुख निबंधकारों का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न –14 हिन्दी साहित्य की चार प्रमुख विधाओं का उल्लेख उनके एक–एक लेखक के साथ कीजिए।

व्याकरण – (भाषा तत्व)
तत्सम/तद्भव/देशज/आगत शब्द

प्रश्न –1 निम्नलिखित शब्दों को तत्सम/मानक रूप में लिखिए –
(प्रत्येक के लिए एक अंक)

महेस, दिनेस, गनेस, सुरेश, भौंह, जोत, मछली, फूल, नैन, हड्डी, माथा,
भँवरा, सूखा, रूखा, पाँच, पूरब, मोर, आँसू, नेह, सुर, हाथी, छेद, सीख

प्रश्न –2 निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों को अलग–अलग छाँटकर लिखिए – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

कान, टेलीफोन, हैलो, फोकट, सूरत, ऊब, फिट, कॉल,
नफरत, जवाब, गृह, कार्य, सच, मुख, मुँह, हफ्ता, रेट

प्रश्न –3 दिए गए शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्द छाँटकर अलग कीजिए – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

मस्तक, साइकिल, तोप, खेत, मिनट, कार्य, पूंजीपति, घड़ीसाज,
यूनिवर्सिटी, ब्लेकमेल, हस्त प्रक्षालन, उत्कोच, धर्म, शर्करा, रात,
बीमा पॉलिसी, ग्राम, झाड़ू, परात, बारी

प्रश्न –4 निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–
(प्रत्येक के लिए एक अंक)

उज्ज्वल, वाष्प, दधि, ज्येष्ठ, स्वर, सूर्य, मृत्यु, श्वास, भगिनी, मक्षिका,
प्रहरी, यक्ष, कुंभकार, कृषक, तृण, अग्र, रात्रि, कंकण, परशु, क्षीर, निद्रा,
काष्ठ, गौर, चित्रक, कुपुत्र, दंड

उपसर्ग / प्रत्यय

प्रश्न –1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

अ. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्गों को अलग करके रिक्त स्थान में लिखें –

1. असमर्थ = ... + ...
2. प्रदर्शन = ... + ...
3. सुसमाचार = ... + ...
4. लाजवाब = ... + ...
5. प्रतिध्वनि = ... + ...
6. अज्ञान = ... + ...
7. सत्कर्म = ... + ...
8. अपयश = ... + ...
9. आजन्म = ... + ...
10. अधखिला = ... + ...
11. अपमान = ... + ...
12. उपवन = ... + ...
13. कपूत = ... + ...
14. बेअक्ल = ... + ...
15. भरपेट = ... + ...

प्रश्न –2 खंड 'अ' में दिए गए उपसर्गों को खंड 'ब' के मूल शब्दों से जोड़कर उचित नया शब्द बनाईए –

अ.

	'क'		**'ख'**
1.	चा	–	हित
2.	कु	–	साध्य
3.	दु	–	पुत्र
4.	बिन	–	मासा
5.	स	–	मांगा

ब. खंड 'अ' में दिए गए उपसर्गों को खंड 'ब' के मूल शब्दों से जोड़कर उचित नया शब्द बनाईए –

	'क'		'ख'
1.	सु	–	गुण
2.	कु	–	डर
3.	नि	–	चक्र
4.	अव	–	डौल
5.	पर	–	तन
6.	पुरा	–	लोक

प्रश्न–3 नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग छाँटिए –

सद्भाव, उपकार, प्रख्यात, सद्गति, प्रतिकूल

प्रश्न–4 निम्नलिखित उपसर्गों से दो–दो नए शब्द बनाईये –

चिर, परि, दु., कु, सु, नि, बे, अन

प्रश्न–5 निम्नलिखित शब्दों के साथ उपयुक्त उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाईए तथा उनके अर्थ लिखिए –

हार, धर्म, मान, मिल, निश्चित, अधीन, तंत्र,
बल, दर्शन, योग, चल, सचिव

प्रश्न–6 निम्नलिखित उपसर्गों में मूल शब्द मिलाकर नया शब्द बनाईए –

1. सम + आ + लोचना =
2. सु + सम् + गठित =
3. अ + नि + यंत्रित =
4. सम + आ + चार =
5. निर् + अभि + मानी =
6. अ + सु + रक्षित =
7. अन् + आ + सक्ति =
8. प्रति + उप + कार =
9. दुर् + वि + अव + हार =

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार अंक)

प्रश्न–1 उपसर्ग की परिभाषा देते हुए कोई चार उदाहरण दीजिए।

प्रश्न–2 शब्द रचना में उपसर्ग की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–3 ऐसे चार शब्द लिखिए जिनमें दो उपसर्गों का प्रयोग हुआ हो।

प्रश्न–4 नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग छाँटिए –

दुराचारी, संकल्प, उपकार, प्रख्यात, सुघड़,

सुकन्या, भरसक, अनमोल, अधमरा, अनपढ़

प्रत्यय

प्रश्न –1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

अ. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्ययों को अलग करके रिक्त स्थान में लिखिए –

1. सजावट = ... + ...
2. भुलक्कड़ = ... + ...
3. झगड़ालू = ... + ...
4. लिखकर = ... + ...
5. त्यागी = ... + ...
6. धूमक्कड़ = ... + ...
7. लिखाई = ... + ...
8. चलाऊ = ... + ...
9. बनवाई = ... + ...
10. दौड़ना = ... + ...
11. कड़वाहट = ... + ...
12. लुहारिन = ... + ...
13. नमकीन = ... + ...
14. कथाकार = ... + ...
15. घूसखोर = ... + ...

प्रश्न –2 खंड 'अ' में दिए गए मूल शब्दों को खंड 'ब' में दिए गए उचित प्रत्ययों से मिलान कर नया शब्द बनाईए –

अ.

	'अ'		**'ब'**
1.	पाँच	–	वान
2.	मिलन	–	वा
3.	इक	–	वाला
4.	रिक्शा	–	सार
5.	गाड़ी	–	हरा

ब.

	'अ'		**'ब'**
1.	श्री	–	आलू
2.	दया	–	तम
3.	मनुष्य	–	मान
4.	घोर	–	णीय

5.	आदर	–	त्व

ग.

	'अ'		**'ब'**
1.	लाल	–	इय
2.	मूल	–	इमा
3.	स्वर्ग	–	तः
4.	साल	–	अक्ल
5.	मंद	–	आना

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार अंक)

प्रश्न–1 प्रत्यय किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न–2 शब्द निर्माण में प्रत्ययों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–3 उपसर्ग और प्रत्यय में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–4 ऐसे चार शब्द लिखिए जिनमें दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग हुआ हो।

प्रश्न–5 निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय अलग–अलग कीजिए –

1. अप्रत्याशितता
2. अधार्मिक
3. अनुदारता
4. अपमानित
5. अशासकीय

प्रश्न–6 निम्नलिखित प्रत्ययों के संयोग से दो–दो नए शब्दों का निर्माण कीजिए –

आहट, पन, त्व, अन, आवट, हार, वान, ता, त्व, ऊ

प्रश्न–7 निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइये –

पढ़ना, अच्छा, बुरा, महान, स्त्री, लड़का, लकड़ी, लिखना, दौड़, डर

प्रश्न–8 निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय अलग कीजिए –

लिखावट, स्वर्णकार, सेठानी, लुहारिन, दुखड़ा,
भारतीय, खर्चा, सामाजिक, मानवता, बलवान

प्रश्न–9 निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और प्रत्यय छांटिए –

बदनसीब, धनवान, सभ्यता, निस्तेज, नागरिक, सत्कार,
सविनय, सार्थकता, सद्धर्म, ठकुराइन, अनुदारता, अपमानित,
परिपूर्णता, बदचलनी, अवैज्ञानिकता

प्रश्न–10 नीचे लिखे उपसर्गों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए शब्द बनाइए –

बे, कु, सद्, नि, पर

1. सहारा = ...
2. व्यवस्थित = ...
3. लोक = ...
4. पोषण = ...
5. डर = ...
6. व्यवहार = ...

पर्यायवाची शब्द

प्रश्न–1. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त रेखांकित शब्दों के स्थान पर उसका पर्यायवाची शब्द रिक्त स्थान में लिखिए –

(प्रत्येक के लिए एक अंक)

1. देवताओं ने अमृत का पान किया। .....
2. अश्व तीव्र गति से दौड़ता गया। .....
3. ईश्वर उसे दीर्घायु रखे। .....
4. तालाब में खिले कमल ने मन मोह लिया। .....
5. कृष्ण माखन चुरा कर भाग जाते। .....
6. वह नए कपड़े पहन कर प्रसन्न हुआ। .....
7. मेरी आँख में कचरा गिर गया। .....
8. देवी ने अनेक असुर मारे। .....
9. आभूषण पहन कर रमा खुश हुई। .....
10. अंधकार होने वाला है जल्दी घर जाओ। .....

प्रश्न–2. निम्नलिखित 'क' एवं 'ख' स्तंभ से सही पर्यायवाची शब्द ढूंढकर सही जोड़ियाँ बनाईए –

अ.

	'क'		'ख'
1.	कोमल	–	देवदरी
2.	गंगा	–	मृदु
3.	गाय	–	चाप
4.	ध्वजा	–	धनु
5.	धनुष	–	पताका

ब.

	'क'		'ख'
1.	पण्डित	–	स्वामी
2.	पति	–	पत्र / पात, पर्ण
3.	पत्ता	–	विद्वान
4.	बाल	–	कुसुम
5.	पुष्प	–	केश

प्रश्न–3. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए –

अ. मात्रा, सूर्य, रात्रि, दिन

ब. पृथ्वी, फूल, प्रकाश, मित्र

स. गणेश, शंकर, लक्ष्मी, कृष्ण

प्रश्न–4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर पुनः नवीन वाक्य लिखिए –

1. अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा।
2. बगीचे में सुंदर फूल खिले हैं।
3. मैं किनारे पर बैठ कर लहरों को देखता रहा।
4. समुद्र में बड़े–बड़े जहाज थे।
5. गंगा नदी में बाढ़ आ गई थी।

अनेकार्थी शब्द

प्रश्न–1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताते हुए प्रत्येक शब्द से एक–एक वाक्य बनाइये ताकि अंतर स्पष्ट हो सके –

अ.
अंक – अंग
हर – हरि
हल – हार
नग – नाग
तात – ताप

ब.
रंक – रंग
दल – दाल
कल – कर
अन्न – अन्य
अवस्था – व्यवस्था

स.
दिन – दीन
धरा – धारा
तरणि – तरूणी
नीर – नीड़
ओर – और

प्रश्न –2. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के अलग–अलग अर्थ लिखते हुए प्रत्येक शब्द से दो–दो वाक्य बनाईए –

अ. अर्थ, कर, कल, वार, पत्र
ब. सोना, तीर, मत, अंबर, श्री, हरि

विलोम शब्द

प्रश्न–1. निम्न वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विलोम लिखकर कीजिए – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

1. मोहन ने मेरी मित्रता का जवाब ..... से दिया।
2. विज्ञान हमारे लिए वरदान भी हैं ओर दुरूपयोग करने पर ..... भी।
3. निंदा करना कमजोरी की निशानी है, और ..... ताकत भी।
4. यह बात आंशिक सत्य है ..... सत्य नहीं।
5. मेहनत करके राम ने बंजर भूमि को ..... बना ली।
6. अमीर लोग ..... की व्यथा नहीं समझते।
7. तुम समझदार हो ..... जैसी बातें मत करो।
8. हमारी सेना साहसी है..... नहीं।
9. मैं रचना करता हूँ जबकि वह .....।
10. मेरी चादर महीन है तुम्हारी .....।
11. शंकर ने विष को भी ..... की तरह पी लिया।
12. कक्षा में बहुत शोर हो रहा है ..... रखो।
13. तुलसी सगुण धारा के कवि थे, जबकि कबीर ..... धारा के।
14. अतिथि का हमें आदर करना चाहिए ..... नहीं।
15. युवा पीढ़ी अपनी आस्तिक वृत्ति को छोड़कर ..... बनते जा रहे हैं।

प्रश्न–2. निम्नलिखित 'क' एवं 'ख' स्तंभ से शब्दों के सही विलोम शब्द ढूंढकर सही जोड़ियाँ बनाईए –

अ.	'क'		'ख'
1.	साक्षर	–	पाश्चात्य
2.	स्वतंत्र	–	अप्रत्यक्ष
3.	प्रत्यक्ष	–	सूक्ष्म
4.	प्राच्य	–	निरक्षर
5.	स्थूल	–	परतन्त्र

ब.

	'क'		'ख'
1.	स्वाभाविक	–	अवनति
2.	उन्नति	–	अपकार
3.	उपकार	–	अपकीर्ति
4.	उपस्थित	–	अस्वाभाविक
5.	कीर्ति	–	अनुपस्थित

प्रश्न–3. निम्नलिखित शब्दों के विरूद्धार्थी शब्द लिखिये –

अ. हार, हलका, हर्ष, हित

ब. प्राचीन, प्राच्य, प्रस्तुत, पक्ष

स. दुर्लभ, दृश्य, देव, दोषी

द. दिन, सुबह, छोटा, भाई

वाक्य शुद्ध करना

प्रश्न–1. निम्नलिखित रेखांकित शब्दों को शुद्ध कर वाक्य बनाइये –

1. मैंने तुमसे अनेकों बार कहा।
2. कृपया करके इधर आइए।
3. चोरों ने घरों के भीतरों झांका।
4. प्रत्येंकों के पास पुस्तकें थी।
5. वह कमर कसा बैठा है।

प्रश्न–2. कारण चिन्हों में सुधार कर वाक्य शुद्ध कीजिए –

1. मोहन तुम्हारे से नहीं डरता।
2. बच्चों से गुस्सा न करो।
3. पेन दो रूपए से खरीदा।
4. तुम्हारे को शीला ने क्या कहा।
5. उनके माताजी दिल्ली रहती हैं।

प्रश्न–3. संज्ञा–सर्वनाम–क्रिया आदि में परिवर्तन कर वाक्य शुद्ध कीजिए –

1. हाथी मोटी है।
2. मैं तीन भाई हूँ।
3. वह लोग आ गए है।
4. दस रूपया में क्या आता है।
5. वह घर जा रहे हैं।
6. मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।
7. उसका प्राण सूख गया।
8. उसने दिल्ली जाना है।
9. तुम तुम्हारे घर चलो।
10. हमने भी अच्छा काम करें।

प्रश्न–4. निम्नलिखित वाक्यों में पदक्रम सम्बन्धी अशुद्धियाँ ठीक कीजिए –

1. मोहन ने सहायता मुझे दी।
2. महात्मा गांधी का देश सदा आभारी रहेगा।
3. भैंस का ताकतवर दूध होता है।

4. बच्चे को प्लेट में रखकर खाना खिलाओ।
5. काम इन सबों ने नहीं किया।
6. हम निम्नलिखित कक्षा दसवीं के छात्र आपसे अनुरोध करते हैं।
7. केवल यहाँ दो पुस्तकें हैं।
8. छब्बीस जनवरी का भारत के इतिहास में महत्व है।
9. एक लोटा पानी से भरा लाओ।
10. गरीबों को जलाने के लिए लकड़ी वनों से प्राप्त होती है।

प्रश्न–5. निम्न वाक्यों में पुनरूक्ति सम्बन्धी अशुद्धि दूर कीजिए –

1. कृपया तीन दिन का अवकाश देने की कृपा करें।
2. मात्र केवल सैनिकों के लिए।
3. मैं सप्रमाण सहित करता हूँ।
4. हम यहाँ कुशलता पूर्वक से है।
5. मैं सादर सहित नमस्कार करता हूँ।
6. आपका भवदीय।
7. वह बेफिजूल की बातें करता है।
8. वहाँ कोई लगभग एक दर्जन सेब थे।
9. कश्मीर में कई दर्शनीय स्थल देखने योग्य है।
10. तमाम देशभर में बात फैल गई।

वर्तनी शुद्धिकरण
शब्द ज्ञान

प्रश्न–1. वर्तनी शुद्ध कीजिए –

अ. स्त्रष्टि, अनूमति, प्रवतर्क, प्रतीष्ठीत, दरशनीय, अभीमानी, पोषाक, सैलानि

ब. मीत्रता, अपरीमार्जित, आशचर्य, चतुरायी, सहानूभूति, दरबारीयों, फुहड़, तियाग

प्रश्न–2. निम्नलिखित शब्दों में वर्तनीगत अशुद्धियाँ है उन्हें दूर कर पुनः लिखिए –

अरूण, शीस, सूल, मंझदार, श्रखलाएँ, पातवार, पृगति, संकीणताएं, वीपथ

मुहावरे / लोकोक्तियाँ

प्रश्न–1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिए गए शब्दों से कीजिए –

1. नाच न जाने ..... टेढ़ा – आँगन / मैदान
2. जहाँ काम आवे सुई, कहा करे ..... – भाला / तलवार
3. खोदा पहाड़ निकली ..... – तितली / चुहिया
4. जल में रहकर ..... से बैर – मछली / मगर
5. ..... की तरह रंग बदलना – सांप / गिरगिट
6. गरीबी में ..... गीला – बेसन / आटा
7. जैसी करनी वैसी ..... – भरनी / तरनी
8. डूबते को ..... का सहारा – नाव / तिनका

प्रश्न–2. निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियाँ को सही विकल्प चुनकर पूरा करें –

1. राणा प्रताप ने अकबर को ईंट का जवाब दिया .....
   1. पत्थर से 2. आग से 3. पानी से 4. चूने से
2. अगले हफ्ते परीक्षा होगी, तुम लोक कसलो .....
   1. हाथ 2. पाँव 3. कमर 4. कान
3. भारतीय क्रिकेट टीम ने आस्ट्रेलियन टीम के छुड़ा दिए .....
   1. पंजे 2. चौके 3. छक्के 4. इक्के
4. पिताजी ने इस मकान को बनवाने में एक कर दिया .....
   1. खून–पसीना 2. दूध–पानी 3. तेल–पानी 4. धन–दौलत
5. रिंकू की शरारतों ने मेरा दम कर दिया .....
   1. नाक में 2. कान में 3. मुँह में 4. सिर में
6. चोर ने चलती ट्रेन से सीता के पर्स पर मार दिया .....
   1. माफ 2. साफ 3. हाथ 4. पाँव
7. भारतीय सेना से टक्कर लेना चने चबाता है .....
   1. खेत के 2. लोहे के 3. पेड़ के 4. मिट्टी के
8. क्रांतिकारी देश को आजाद कराने के लिए सर पर बाँध कर निकले .....
   1. कपड़ा 2. टोप 3. कफन 4. पगड़ी

प्रश्न–3. नीचे कुछ मुहावरे/लोकोक्तियाँ दिए गए हैं उनके अर्थ ढूंढकर सही जोड़िया बनाईये –

1.	मिट्टी में मिलना	–	अवसर बीतने पर पछताना
2.	लोहा लेना	–	दोनों में बुराई होना
3.	अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत	–	नष्ट करना
4.	जैसे नागनाथ वैसे साँपनाथ	–	दुविधा में पड़ना
5.	धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का	–	युद्ध करना
6.	विनाशकाले विपरीत बुद्धि	–	सब दिन एक सा हाल
7.	सिर मुड़ाते ओले पड़ना	–	अल्पज्ञानी
8.	नाच न जाने आँगन टेढ़ा	–	प्रारंभ में ही हानि
9.	थोथा चना बाजे घना	–	खुद का दोष दूसरों पर मढ़ना
10.	सावन हरा न भादों सूखा	–	हानि के साथ बुद्धि भ्रष्ट होना

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (चार अंक)

प्रश्न–1 निम्न मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. नाक में दम करना
2. पानी पानी होना
3. मुँह छिपाना
4. सिर धुनना

प्रश्न–2 निम्न कहावतों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. अंधों में काना राजा
2. अन्धेर नगरी चौपट राजा
3. अधजल गगरी छलकत जाए
4. अन्धे के हाथ बटेर लगना

प्रश्न–3 मुहावरे और कहावतों में अंतर बताईए। प्रत्येक का एक–एक उदाहरण भी दीजिए।

प्रश्न–4 मुहावरे किसे कहते हैं। मुहावरे की विशेषताए बताइये तथा दो उदाहरण दीजिए।

प्रश्न–5 कहावतें/लोकोक्ति किसे कहते हैं? एक अन्तर लिखिये तथा दोनों का एक–एक उदाहरण लिखिए।

प्रश्न–6 निम्नलिखित शब्दों पर आधारित मुहावरे लिखकर उनका अर्थ लिखिए तथा वाक्यों में प्रयोग भी कीजिए –

आँख, नाक, ईंट, तेल, चना, सिर, काला अक्षर

अनेक शब्दों के लिए प्रयुक्त एक शब्द

प्रश्न–1. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए –

अ.

1. जिसके बराबर कोई दूसरा न हो .....
2. जिसका वर्णन न किया जा सके .....
3. गगन को छूने वाला .....
4. जिसका कोई आकार नहीं .....
5. दूसरों पर आश्रित रहने वाला .....

ब.

1. जिस पर विश्वास न किया जा सके .....
2. जो पका हुआ न हो .....
3. जो पवित्र हो .....
4. जो सत्य में निष्ठा रखता हो .....
5. जो निश्चय में दृढ़ हो .....

प्रश्न–2. निम्नलिखित शब्द समूहों के लिए एक शब्द दीजिए –

अ.

1. जानने की इच्छा रखने वाला।
2. जहाँ पहुँचा न जा सके।
3. धर्म को मानने वाला।
4. जो सरलता से प्राप्त हो।
5. जो सराहना के योग्य हो।

ब.

1. जो निन्दा के योग्य हो।
2. जिसमें धैर्य हो।
3. जो पहले कभी न हुआ हो।
4. थोड़ा बोलने वाला।
5. आगे आने वाला।

प्रश्न–3. रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द प्रयुक्त कर उन्हें फिर से लिखिए –

1. ऊपर कही गई बात मुझे याद है।
2. नीचे लिखे हुए वाक्य याद करो।

3. बसंत ऋतु में बगीचा देखने योग्य था।
4. सीता पत्तों की बनी हुई कुटिया में रहती थी।
5. जो शरण में आ जाए उसकी रक्षा करना चाहिए।

प्रश्न–4. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यांश में परिवर्तित कीजिये –

दीर्घायु, चिरंजीवी, अतुलनीय, अतिथि, नास्तिक,
उपरोक्त, सधवा, आगामी, प्रशंसनीय, दर्शनीय

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिएः (पाँच अंक)

उपलब्धियों पर ही सुख सन्तोष निर्भर है। उपलब्धियाँ साधना से मिलती है। साधना का ही दूसरा नाम एकाग्रता है। एकाग्रता के दो अविच्छिन्न पथ है। एकता और तत्परता सफलताओं के वटवृक्ष के मूल में एकाग्रता की जड़े गहराई तक प्रविष्ट होती और सक्रिय रहती देखी जा सकती है। आलस्य पर नियन्त्रण करने के लिये श्रम और समय का पूरी तत्परता के साथ अभीष्ट प्रयोजन करना पड़ता है। कर्म के बिखराव को रोक देना और विचारों पर ध्यान रखना इसी का नाम मनोनिग्रह है। एकाग्रता का कल्पवृक्ष प्राप्त करने के लिये हमें अभीष्ट प्रयोजन में तीव्रता और तत्परता उत्पन्न करने की जीवन–साधना समान रूप से करनी चाहिए। आत्मिक और भौतिक प्रगति के उभयपक्षीय लाभ सत्प्रयत्न से जुड़े हुए है।

अ. उपर्युक्त अंश का सार अपने शब्दों में लिखिए।

ब. उपर्युक्त अंश का भावगर्भित शीर्षक दीजिए।

स. हम आलस्य पर कैसे नियंत्रण कर सकते हैं?

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिये हुये प्रश्नों के उत्तर लिखिये –

मानव जाति के लिये नये युग का सूत्रपात हो गया। यह नया युग आणविक क्रांति का युग है। भविष्य में इतिहासकार इस युग को 'आणविक' युग कहकर पुकारेंगे या सभ्यता के महाविनाश की वीभत्स और रोमांचकारी गाथा सुनने के लिये कोई इतिहासकार जीवित ही नहीं बचेगा, इसके निर्णय आज हमें समस्त मानव जाति को ही करना है, क्योंकि आज समस्त संसार का भविष्य खतरे में पढ़ गया है।

फिर भी युद्ध में महाविनाश की क्षमता रखने वाला अणु तेजी से शांति के रूप में परिणित होता जा रहा है। संसार के प्रमुख वैज्ञानिकों और राजनितिज्ञों का कहना है कि अणु–शक्ति हमारे युग का सबसे महत्वपूर्ण और मनोरंजक अविष्कार है।

विज्ञान की प्रगति और मानव–जाति के कल्याण की दृष्टि से इस अविष्कार की तुलना अणुवीक्षण यंत्र और भापचलित इंजन से की जा सकती है। वस्तुतः अभी भी अणु–शक्ति का उपयोग रोगों से संघर्ष करने, औद्योगिक उत्पादन की कोटि और विधियों को सुधारने, कृषि उत्पादन बढ़ाने और समस्त मानव–जाति के रहन–सहन एवं उन्नति करने के लिये किया जा रहा है।

अ. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये।

ब. उक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।

स. अणु शक्ति का लाभकारी उपयोग किन–किन क्षेत्रों में किया जा रहा है।

प्रश्न 3. प्रकृति के सुरम्य, पवित्र एवं शांत वातावरण में ईश्वरीय प्रेरणाएं। मन–मस्तिष्क में अवतरित होती है। इसके विपरीत, वर्तमान वातावरण ध्वनि विस्तारकों से लगातार प्रसारित होती रहने वाली कर्कष एवं नीरस ध्वनियाँ एवं नाचगान से न केवल प्रदूषित हो रहा है बल्कि ऐसे वातावरण में केवल अशांति उत्पन्न हो सकती है?

अ. ध्वनि प्रदूषण किस प्रकार होता है।

ब. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।

स. उपर्युक्त गद्यांश सारांश अपने शब्दों में लिखिये।

प्रश्न 4. मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज से अलग उसके अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती परिचित तो बहुत होते हैं। लेकिन मित्र बहुत कम हो पाते हैं। क्योंकि मैत्री में सबसे आवश्यक है परस्पर विश्वास। मित्र एक ऐसा सखा, गुरू तथा माता है जो सबके स्थानों को पूर्ण करता है।

अ. सच्ची मित्रता के लिये अनिवार्य शर्त क्या है?

ब. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।

स. उपर्युक्त गद्यांश का सारगर्भित सारांश लिखिये।

प्रश्न 5. मानव शिशु स्रष्टा की सर्वोत्तम मनोरम कृति है। इसमें स्रष्टा का सपना समाहित रहता है। वह राष्ट्र का अंग होकर भी उसका भाग्य निर्माता है। शिशु के विकास की प्रक्रिया अन्य जड़ जंगम शिशु या शावकों से भिन्न है।

मानव–शिशु का विकास अपेक्षाकृत अधिक जटिल और मन्थर होता है। अकारण उसमें प्रगति एवं उत्कर्ष की सम्भावनाओं की विपुलता होती है। वह एक शावक के समान पैदा होते ही पानी में तैर नही सकता, पशु शावक के समान चल नहीं सकता, पक्षी शावक के समान उड़ नहीं सकता। जब वह तैरना सीख लेता है तो कुशलतापूर्वक तैरता है, वायुयान के सहारे उड़कर पक्षियों को पीछे छोड़ देता है।

शिशु में निहित सम्भावनाओं का पता लगाकर उसकी मनोवृत्तियों को आकार देकर उचित दिशा में प्रवृत्त करने में सहायता देना ही शिक्षा का उद्देश्य एवं शिशु शक्तियों का पुंज है उस पर पड़े आवरण को हटाकर उसके दिव्य प्रकाश को प्रकट करना ही शिक्षा का उद्देश्य है।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

ब. गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

स. शिक्षा का क्या उद्देश्य है?

प्रश्न 6. राष्ट्र की उन्नति पर ही व्यक्ति की उन्नति निर्भर है। यदि किसी के घोर संकुचित स्वार्थपूर्ण कामों के कारण राष्ट्रीय हित को क्षति पहुँचती हो अथवा राष्ट्र की निन्दा होती हो तो ऐसे पुत्र का जन्म लेना निरर्थक है। राष्ट्रभक्त के लिये राष्ट्र का तिनका–तिनका मूल्यवान होता है। उसे राष्ट्र का कण–कण परम प्रिय होता है। वह अपने गाँव, नदी, पर्वत तथा मैदान को देखकर आनन्दविभोर हो उठता है। जिसका मन, वाणी और शरीर सदा राष्ट्रहित के कामों में तत्पर रहता है, जिसे अपेन पूवजों पर गर्व है, जिसे अपनी संस्कृति पर आस्था है तथा जो अपने देशवासियों को अपना समझता है, वही सच्चा राष्ट्रभक्त है।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश 30 शब्दों में लिखिए।

स. सच्चा राष्ट्र भक्त कौन है।

प्रश्न 7. बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जिससे हमें दुःख पहुँचा है, उस पर यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक रहा तो बैर कहलाता है। इसके स्थायी रूप से टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत काल तक हुआ करती है। क्रोध अपना बचाव करते हुए शत्रु को पीड़ित करने की युक्ति आदि सोचने का समय प्रायः नहीं देता, पर बैर उसके लिये बहुत समय देता है। सच पूछिये तो क्रोध और बैर का भेद केवल कालकृत है। दुःख पहुँचाने के साथ ही दुःखदाता को पीड़ित करने की प्रेरणा करने वाला मनोविकार क्रोध और कुछ काल बीत जाने पर प्रेरणा करने वाला भाव बैर है।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

स. बैर और क्रोध में क्या अन्तर है।

प्रश्न 8. देश के प्रति अडिग और अनन्य प्रेम आदर्श नागरिकता का प्रथम लक्षण है। अच्छा नागरिक बनने के लिये यह आवश्यक है कि हम स्वार्थ की भावना से मुक्त होकर देश के हित की दृष्टि से सभी कार्यो को सम्पन्न करें। अधिकार की माँग के साथ ही कर्तव्य की ओर ध्यान देना आवश्यक है। अपने कर्तव्य को महत्व देने वाला व्यक्ति ही राष्ट्र का अच्छा नागरिक होता है। अच्छा नागरिक सब कुछ राष्ट्र की उन्नति, राष्ट्र के उत्कर्ष और राष्ट्र की वृद्धि के लिए करता है।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

स. आदर्श नागरिकता के लिये क्या आवश्यक है।

प्रश्न 9. आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है। जीवन का प्रत्येक क्षण वह कर्म में लगाता है। विश्राम और विनोद के लिए उसके पास निश्चित समय रहता है। शेष समय जन सेवा में व्यतीत होता है। हाथ पर हाथ धर कर बैठने को वह मृत्यु के समान समझता है। काम की उसमें लगन होती है। उत्साह होता है। विपत्तियों में भी वह अपने चरित्र का सच्चा परिचय देता है। धैर्य की कुदाली से वह बड़े–बड़े संकट पर्वतों को ढहा देता है। उसकी कार्यकुशलता देखकर लोग दाँतों तले ऊँगली दबाते हें संतोष उसका धन है। वह परिस्थितियाँ उसकी दासी है।

अ. उर्पयुक्त गघांश का उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उपरोक्त गघांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।

स. सच्चा व्यक्ति कठिनाइयों को किस प्रकार दूर करता है।

प्रश्न 10. आलस्य मनुष्य के शरीर व मन का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलसी होता है, वह सदा अपने आपको को असहाय या महसूस करता है। जरा सी मुसीबत आने पर पर उसके हाथ पाँव फूल जाते है और वह ईश्वर की पुकार मचाता है आलसी मनुष्य स्वयं अपनी ही दृष्टि में दीन हीन नहीं बनता, बल्कि समाज की नजरों में भी गिर जाता है। आलसी व्यक्ति हमेशा प्रमाद में घिरा हुआ होता है, एक समय ऐसा आता है, कि वह अपनी आदत को चाहकर भी नही बदल पाता।

अ. उपयुक्त गधांश का उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उपरोक्त गंद्याश का सार अपने शब्दों में लिखिये

स. आलसी व्यक्ति के कुछ प्रमुख लक्षणों का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 11. राष्ट्रीय एकता की भावना प्रत्येक स्वतंत्रत राष्ट्र के लिए अत्यन्त आवश्यक है। जब भी धर्म एवं जाति के नाम पर साम्प्रदायिक दंगे होते है, राष्ट्रीय एकता खंडित होने का खतरा बढ़ जाता है। हमारे देश भारत में विभिन्न जाति धर्म एवं सम्प्रदायों के हाते हुए भी राष्ट्रीय एकता की भावना विद्यामान रही है। क्योंकि राष्ट्र के निवासियों के भावात्मक एकता है, किंतु इस राष्ट्रीय एकता को बाधा पहुँचाने हेतु राष्ट्रीय विरोधी शक्तियाँ अपनी धिनौनी हरकतों में लगी हुई है। हमारा मित्र शत्रु पाकिस्तान हमारे देश में आई.एस. आई. के माध्यम से साम्प्रदायिक दंगो को हवा दे रहा है। साम्प्रदायिक दंगों से देश की शक्ति क्षीण होती है? आपस में मनोमालिन्य एवं पलायन वृत्ति, असुरक्षा की भावना

बढ़ती है, हिंसा, लूटपाट, आगजनी से न केवल राष्ट्र की क्षति होती है। बल्कि उस क्षेत्र विशेष की शांति भंग हो जाती है विकास के कार्य अवरूद्ध हो जाते है। साम्प्रदायिक दंगो का जल्द से जल्द निमूर्लन होना चाहिए। फिर चाहें वे गोधरा (गुजरात) के दंगो का घृणित रूप क्यों न हो?

अ. उपरोक्त गंद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उर्पयुक्त गंद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिये।

स. साम्प्रदायिक दंगों से देश को क्या नुकसान हो सकता है।

प्रश्न 12. मानव के व्यक्तित्व का निर्माण करने वाले विभिन्न तत्वों में चरित्र का सबसे अधिक महत्व है। चरित्र एस ऐसी शक्ति है जो मानव जीवन को सफल बनाती है चरित्र की शक्ति ही आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करती है। चरित्र मनुष्य के कार्य–कलाप और आचरण समूह का नाम है। चरित्र रूपी शक्ति के आगे समस्त प्रकार की पाश्विक शक्ति नष्ट हो जाती है चरित्र शक्ति, विद्या, बुद्धि, और संपत्ति की शक्ति से भी महान होती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई चक्रवर्ती सम्राट धन, पद वस्तु और विद्या के स्वामी थे, किंतु चरित्र के अभाव में अस्तित्व विहीन हो गये, तन–मन की पवित्रता, कर्तव्य, निर्वाह की भावना, परोपकार और समाज सेवा भी चरित्रिक गुणों से आती है, मानव जीवन की संपूर्ण सफलता यश और गौरव अर्जित करने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने चरित्र को ऊँचा बनाये क्योंकि व्यक्तियों का सामूहिक चरित्र राष्ट्रीय–चरित्र के नाम से जाना जाता है।

अ. उर्पयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उर्पयुक्त गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिये।

स. मनुष्य के उत्तम चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 13. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। इसके लिए मनुष्य को मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से दोनों ही प्रकार से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थ मानसिकता ही स्वच्छ समाज को जन्म देती है। मनुष्य की शुद्ध सोच नई खोजों को जन्म देती हे। इसका असर केवल व्यक्ति विशेष पर ही नहीं वरन् समाज, देश, जाति सब पर समान रूप से पड़ता है और इसके लिए मनुष्य को पूर्णतया अपनी विचारधारा को विकसित करना होगा। पुरानी परम्पराएँ, रूढ़ियों का त्याग करके नयी विकास पद्धति को जन्म देना होगा।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

स. सवस्थ मानसिकता के विकास के लिये क्या आवश्यक है।

प्रश्न 14. व्यायाम करने से मनुष्य का शरीर सगुठित, स्वस्थ, सुंदर एवं सुडौल बनता है। हजारों की भीड़ में से कसरती बदन वाला व्यक्ति सहज पहचाना जा सकता है। कसरत करने वाले व्यक्ति का शरीर–तंत्र स्वस्थ बना रहता है। पाचन–शक्ति मजबूत होती है। रक्त–प्रवाह तेज होता है। आलस्य दूर भागता है। स्फूर्ति आती है। माँश पेशियाँ, लचीली हो जाती है। जिससे क्रिया शक्ति बढ़ जाती है, तन मन दोनों स्वस्थ रहता है।

अ. उर्पयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उर्पयुक्त गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिये।

स. व्यायाम से क्या–क्या लाभ होते है।

प्रश्न 15. मनुष्य का जीवन बहुत संघर्षमय होता है। उसे पग–पग पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। फिर भी ईश्वर के द्वारा जो मनुष्य रूपी वरदान की निर्मित इस पृथवी पर हुई है मानो धरती का रूप ही बदल गया है। यह संसार कर्म करने वाले मनुष्यों के आधार पर ही टिका है। देवता भी उनसे ईर्ष्या करते है। मनुष्य अपने कर्म बल के ही कारण श्रेष्ठ है। धन्य है मनुष्य का जीवन।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का सही शीर्षक लिखिए।

ब. मनुष्य श्रेष्ठ प्राणी क्यों है।

स. उपर्युक्त गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 16. स्वतंत्रता मिलने के पश्चात् स्वतंत्रता का आंदोलन समाप्त हो गया। परन्तु राष्ट्र भाषा का आंदोलन आज भी चल रहा है और उस समय तक चलता रहेगा जब तक कि समस्त देश एक भाषा के सुवर्ण सूत्र में आवद्ध नहीं हो जाता और वह सूत्र एक भाषा का है हिन्दी के लिए हिन्दी का। हमें हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए काम करना चाहिए ताकि राष्ट्र भाषा हिन्दी को सम्मानजनक स्थान मिल सके। हिन्दी को हमारे संविधान में राष्ट्रभाषा घोषित किया गया है।

अ. उपर्युक्त गंद्याश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गंद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

स. राष्ट्रभाषा हिन्दी को सम्मान जनक स्थान किस प्रकार मिल सकता है।

प्रश्न 17. मन के सशक्त होने पर शरीर में शान्ति एवं स्फूर्ति आती है। यदि मन दुर्बल है तो शरीर निष्क्रिय और अशक्त ही रहेगा। यह संसार शक्तिशालियों का है दुर्बलों का इस संसार में ठिकाना नहीं है। कायर व्यक्ति मृत्यु से पहले सहस्त्रों बार मरता है। कायरता का

संबंध मन से है। परिणामतः मन की हार अत्यन्त भंयकर है मनुष्य भाग्य का निर्माता है कायर पुरूष नहीं। सबल ही भाग्य निर्माण का सामर्थ्य रखता है कायर तो दैव–दैव ही पुकारता है साहसी व्यक्ति को अपने बल पर अभिमान होता है।

अ. उपर्युक्त गंद्याश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गंद्याश का सार अपने शब्दों में लिखिये।

स. मन के दुर्बल होने से मनुष्य को क्या हानियाँ होती है।

प्रश्न 18. हम परम्परागत विचारों से इतने बँधे है की आज की समस्याओं पर सही विचार करना भी हमारे लिए कठिन हो जाता है गरीबी एक पाप है जिसे दूर करना चाहिए। गरीबी में आजादी नहीं रह सकती है। सबसे बुरी बात है कि गरीबी स्थायी बन जाती है। लेकिन ज्यादा धन–दौलत के साथ भी चाहे वह व्यक्ति के पास हो या समाज के कुछ बुराइयाँ लगी हुई हैं ओर आज जाहिर हो रही हैं। केवल भौतिक सम्पत्ति जोड़ने में लगे रहने से व्यक्ति का आन्तरिक जीवन खोखला हो जाता है। भारत में हमारी मूल समस्या आर्थिक विकास और रहन–सहन को ऊँचा करने की हैं हमने सोच–विचारकर समाजवादी समाज को अपना लक्ष्य बनाया है, यद्यपि हमने इसकी स्पष्ट परिभाषा नहीं की है।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

स. भौतिक सम्पत्ति जोड़ने से व्यक्ति को क्या नुकसान होता है।

प्रश्न 19. यह सच है कि विज्ञान ने मानव के लिए भौतिक सुख का द्वार खोल दिया है किन्तु यह भी उतना ही सच है कि उसने मनुष्य से उसकी मनुष्यता छीन ली है। भौतिक सुखों के लोभ में मनुष्य यन्त्र की भाँति क्रियारत है, उसकी मानवीय भावनाओं का लोप हो रहा है ओर वह स्पर्धा के नाम पर ईर्ष्या तथा द्वेष से ग्रसित होकर स्वजनों का ही गला काट रहा है। इसी का परिणाम है 'अशान्ति'। मनुष्यता को दाँव पर हारकर भौतिक सुख की ओर बढ़ना अशुभ है।

अ. उपर्युक्त गद्य–खण्ड का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

स. विज्ञान ने मनुष्य की मनुष्यता किस प्रकार छीन ली है।

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित अपठित पद्यांशों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये–(पाँच अंक)

प्रश्न 1. अरूण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर–नाच रही तरू शिखा मनोहर
छिटका जीवन–हरियाली पर–मंगल कुंकम–सारा
अरूण यह मधुमय देश हमारा।

अ. प्रस्तुत पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिये।
ब. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिये।
स. मंगल कुंकुम सारा का अभिप्राय लिखिये।

प्रश्न 2. अपनी हड्डी की मशाल से हृदय चीरते नभ का,
सारी रात तुम दुख झेलते कुलिश निर्मम का।
एक खेप है शेष, किस विध पार उसे कर जाओ,
वह देखो उस पार चमकता है मंदिर प्रियतम का।
आकर इतना पास फिरे, वह सच्चा शूर नहीं है,
थक कर बैठ गये क्या भाई ! मंजिल दूर नहीं है।

अ. प्रस्तुत पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिये।
ब. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिये।
स. सच्चा शूरवीर कौन सा व्यक्ति नही है।

प्रश्न 3. ''सावधान मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार
तो इसे दो फेंक तजकर मोह, स्मृति के सार।
हो चुका है सिद्ध! है तू शिशु अभी अज्ञान,
फूल–काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी ये धार।

अ. उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिये।
ब. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिये।
स. कवि ने विज्ञान को तलवार क्यों कहा है।

प्रश्न 4. ''नरता का आदर्श तपस्या के भीतर पकता है,
देता यही प्रकाश, आग में जो अभत जलता है।
आजीवन झेलने दाह का अंश वीर व्रतधारी,
हो पाते तब कहीं अमरता के पद के अधिकारी।
प्रण करना है सहज कठिन है लेकिन उसे निभाना,
सबसे बड़ी जाँच है वृत का अन्तिम मोल चुकाना।
अन्तिम मूल्य न दिया अगर तो और मूल्य देना क्या,
करने लगे मोह प्राणों का तो फिर प्रण लेना क्या?

अ. प्रस्तुत पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिये।

ब. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिये।

स. वीर अमरता के पद के अधिकारी किस प्रकार होते हैं।

प्रश्न 5. क्रुद्ध नभ के वज्रदंतों,
मे उषा है मुस्कुराती,
घोर, गर्जनमय गगन के,
कंठ में खग–पंक्ति गाती।
एक चिड़िया चोंच में तिनका,
लिये जो जा रही है,
वह सहज में ही पवन,
उनचास को नीचा दिखाती।
नाश के दुःख से कभी,
दबता नहीं निर्माण का सुख,
प्रलय की निस्तब्धता से,
सृष्टि का नवगान फिर–फिर।
नीड़ का निर्माण फिर–फिर,
सृष्टि का निर्माण फिर–फिर।

अ. उर्पयुक्त पक्तियों का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

ब. उर्पयुक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक दीजिये।

स. चिड़िया पवन को नीचा किस प्रकार दिखाती हैं?

प्रश्न 6. प्राचीन हो या नवीन छोड़ो रूढियाँ जो हो बुरी,
बनकर विवेकी, तुम दिखाओ हँस जैसी चातुरी।

प्राचीन बातें ही भली हैं यह विचारों की अलीक है,
जैसी अवस्था हो जहाँ, तैसी व्यवस्था ठीक है।
सर्वज्ञ एक अपूर्ण युग का हो रहा संचार है,
देखो दिनों दिन बढ़ रहा विज्ञान का विस्तार है।
अब तो उठो क्यों पड़ रहे हो व्यर्थ सोच विचार में,
सुख दूर जीना भी कठिन है श्रम बिना संसार में।

अ. उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

ब. उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक बताईये?

स. विवेक, जीना, कठिन प्राचीन शब्दों के विलोम लिखिये।

प्रश्न 7. तुम हो धरती के पुत्र न हिम्मत हारो,
श्रम की पूँजी से अपना काज सँवारो।
श्रम की सीपी में ही वैभव बुलाता है,
तब स्वाभिमान का दीप स्वयं ही जलता है।
मिट जाता है दैन्य स्वयं क्षण में,
छा जाती है नव दीप्ति धरा के कण में,
जागो, जागो श्रम से नाता तुम जोड़ो,
पथ चुनो कर्म का, आलस भाव तुम छोड़ो।

अ. प्रस्तुत पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिये।

ब. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिये।

स. कवि मनुष्य का उत्साह वर्धन किस प्रकार कर रहा है।

प्रश्न 8. निज राष्ट्र के शरीर के सिंगार के लिये
तुम कल्पना करो, नवीन कल्पना करो,
तुम कल्पना करो।
अब देश है स्वतंत्र, मेदिनी स्वतंत्र है
मधुमास है स्वतंत्र, चाँदनी स्वतंत्र है,
हर दीप स्वतंत्र, रोशनी स्वतंत्र है।
अब शक्ति की ज्वलन्त दामिनी स्वतंत्र है।
लेकर अनन्त शक्तियाँ सद्य समृद्धि की
तुम कामना करो, किशोर कामना करो,
तुम कामना करो।

अ. प्रस्तुत पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

ब. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिए।

स. कवि नवीन कल्पना करने के लिये क्यों कह रहा है।

प्रश्न 9. जो बीत गई सो बात गई
जीवन में एक सितारा था
माना वह बेहद प्यारा था
वो टूट गया सो टूट गया
अंबर के इस आनन को देखो
इसके कितने तारे टूटे
इसके कितने प्यारे छूटे
पर इन टूटे तारों पर
अंबर कब शोक मनाता है।

अ. उपर्युक्त पद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक दीजिए।

ब. उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

स. कवि अम्बर के आनन को देखने के लिये क्यों कह रहा है?

प्रश्न 10. जो भरा नहीं है भावों से
बहती जिसमें रस धार नहीं
वह ह्रदय नहीं है पत्थर है
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं

अ. उपरोक्त पक्तियों का सार लिखिये।

ब. उपरोक्त पद्यांश के लिये उचित शीर्षक लिखिये।

स. कवि के अनुसार किस प्रकार का ह्रदय पत्थर के समान होता है?

प्रश्न 11. सबसे प्रथम कर्त्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में
शिक्षा बिना ही आज हम सब पड़ रहे हैं क्लेश में
शिक्षा बिना कोई कभी बनता नहीं सत्पात्र है
शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है।

अ. उपर्युक्त पक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये।

ब. उपर्युक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक दीजिये।

स. अशिक्षा हमारे लिये किस प्रकार हानिकारक है?

प्रश्न 12. हमारे हाथ में हल है,
हमारे हाथ में बल है
कि हम बंजर को तोड़ेंगे
बिना तोड़े न छोड़ेगे
कड़ी धरती इधर भी है
कड़ी धरती उधर भी है
कि हम उसको बिदारेगे
न चूकेंगे न चूकेंगे

अ. उपर्युक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उपरोक्त गद्यावतरण का सार अपने शब्दों के लिखिये।

स. उपरोक्त पक्तियाँ किसे संबोधित है।

प्रश्न 13. त्याग तप करूणा क्षमा से भीगकर
व्यक्ति का मन तो बली होता मगर
हिंसक पशु जब घेरे लेते है उसे
काम आता बलिष्ठ शरीर ही

अ. उपरोक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उपरोक्त पक्तियों का भावार्थ लिखिये।

स. व्यक्ति का मन किस प्रकार बलवान होता है।

प्रश्न 14. भू लोक का गौरव प्रकृति का पुण्य लीला स्थल कहाँ
फैला मनोदर गिरी हिमालय और गंगाजल जहाँ
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस, देश का उत्कर्ष है
उसका कि जो ऋषि भूमि है वह कौन भारत वर्ष है।

अ. उपर्युक्त पक्तियों का भावार्थ लिखिये।

ब. उपर्युक्त गद्यावतरण के लिये उचित शीर्षक लिखिये।

स. भारत वर्ष की कुछ प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 15. सहन शीलता, दया को तभी पूजता जग है
बल का दर्प चमकता उसके पीछे जब जगमग है

अ. उपर्युक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये।

ब. उपर्युक्त पक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये।

स. जीवन में बल का क्या महत्व है?

प्रश्न 16. ब्रम्हा से कुछ लिखा भाग में मनुज नहीं लाया है।
उसने अपना सुख अपने ही भुजबल से पाया है।।
अ. उपर्युक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये।
ब. उपर्युक्त पक्तियों का भावार्थ लिखिये।
स. मनुष्य को सुख की प्राप्ति किस प्रकार हुई है।

प्रश्न 17. शीघ्र आ जाओ जलद स्वागत तुम्हारा हम करें।
ग्रीष्म के संतप्त मन के ताप को कुछ कम करें।
अ. उपर्युक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये।
ब. उपर्युक्त पक्तियों का भावार्थ लिखिये।
स. मन के ताप को किस प्रकार कम किया जा सकता है।

प्रश्न 18. जहाँ सुमति तहँ संपत्ति नाना
जहाँ कुमति तहाँ विपत्ति निधाना
जाको प्रभु दारूण दुःख देही
ताकि मति पहले हर लेही
अ. उपर्युक्त पक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये।
ब. उपर्युक्त पक्तियों का भावार्थ लिखिये।
स. कुमति से जीवन में क्या हानियाँ होती है?

पत्र लेखन
औपचारिक व अनौपचारिक पत्र लेखन(निर्धारित अंक 5)

औपचारिक पत्र लेखन –

1. पत्र लिखना जीवन में क्यों आवश्यक है। इसके महत्व पर प्रकाश डालिये।
2. एक अच्छे पत्र की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
3. अपने विद्यालय के प्राचार्य को शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखिये जिसमें आपकी निर्धनता का उल्लेख हो।
4. अपने कक्षाध्यापक को पत्र लिखिये जिसमें गणित विषय की अतिरिक्त कक्षा लगाने का उल्लेख हो।
5. परीक्षा नजदीक आ रही है, प्राचार्य को अतिरिकत समय में पुस्तकालय में बैठकर संदर्भ पुस्तकों से अध्ययन करने की अनुमति प्रदान करने संबंधी आवेदन लिखिये।
6. आपकी बड़ी बहन का विवाह है। प्राचार्य को पत्र लिखकर चार दिवस के अवकाश हेतु आवेदन पत्र लिखिये।
7. आपको अंग्रेजी विषय कठिन लगता है विषय परविर्तन हेतु प्राचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिये जिसमें सामान्य संस्कृत के चयन का उल्लेख हो।
8. अपने विद्यालय के प्राचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए जिसमें अतिरिक्त समय में खेलों की सुविधाएं बढ़ाने हेतु निवेदन हो।
9. शाला की वार्षिक पत्रिका में आप अपनी रचना(लेख) छपवाना चाहते हैं पत्रिका प्रभारी को आवेदन पत्र लिखिये।
10. अपने विद्यालय के प्राचार्य को पत्र लिखिये जिसमें गणित विषय की पढ़ाई समुचित रूप से न होने की शिकायत हो।
11. अपने विद्यालय के प्राचार्य को पत्र लिखिये जिमसें आपकी कक्षा के सहपाठी के प्रशंसनीय कार्य और व्यवहार के लिए उसे सम्मानित किये जाने का उल्लेख हो।
12. अपने विद्यालय के प्राचार्य को पत्र लिखिये जिसमें आपकी कक्षा के विद्यार्थियों को शैक्षणिक यात्रा पर जाने हेतु अनुरोध किया गया हो।
13. कक्षाध्यापक को पत्र लिखकर आग्रह कीजिये कि आप कक्षा के सहपाठियों के साथ किसी दर्शनीय स्थल के भ्रमण पर जाना चाहते हैं?

14. अस्वस्थता के कारण प्राचार्य को चार दिवसीय अवकाश हेतु आवेदन पत्र लिखिये।

15. प्राचार्य से स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्राप्त करने विषयक प्रार्थना पत्र लिखिये जिसमें आपके पिता के अन्यत्र स्थान पर तबादला हो जाने का उल्लेख भी हो।

16. प्राचार्य को पुस्तक बैंक के पुस्तकें प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र लिखिये जिसमें पुस्तक न क्रय करवाने की विवशता का उल्लेख हो।

17. परीक्षायें अत्यंत नजदीक है। कक्षाध्यापक को पत्र लिखिये जिसमें अंग्रेजी और गणित विषय की अतिरिक्त कक्षायें लगाने का उल्लेख हो।

18. अपने विद्यालय के प्राचार्य को पत्र लिखिये जिसमें आपके विद्यालय में योग की उपयोगिता और महत्व को दृष्टिगत रखते हुए उक्त विषय पर व्याख्यान एवं नियमित कक्षाओं की व्यवस्था किये जाने का उल्लेख हो।

19. शिक्षक दिवस पर शाला में भव्य आयोजन और अपनी कक्षा के शिक्षकों को सम्मानित किये जाने का आग्रह करते हुए प्राचार्य को पत्र लिखिये।

20. विज्ञान प्रयोगशाला को और अधिक उपयोगी बनाने तथा विज्ञान उपकरणों से सुसज्जित करने हेतु प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिये।

अनौपचारिक पत्र लेखन –

1. अपने पिता को पत्र लिखिये जिसमें परीक्षा की पर्याप्त तैयारी का उल्लेख हो आप छात्रावास में रहते हैं।
2. आपने अभी अभी विद्यालय में प्रवेश लिया है तथा विद्यालय के छात्रावास में आप रहते है पिताजी को पत्र लिखकर पुस्तकें क्रय करने हेतु कुछ पैसे भेजने का विनम्र आग्रह कीजिये।
3. आपकी बहन के विवाह में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को पत्र लिखिये जिसमें चार दिन पूर्व से विवाह में सम्मिलित होने का अनुरोध हो।
4. आपके भाई का विवाह होने जा रहा है अपने मित्र को पत्र लिखकर बारात में सम्मिलित होने का आग्रह कीजिये।
5. सहेली को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामना पत्र लिखिये।
6. आपका गृह प्रवेश होने जा रहा है। अपने मित्र को उक्त अवसर पर परिवार सहित सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण पत्र लिखिये।
7. आपका मित्र परीक्षा में प्रथम श्रेणी में पास हुआ है। उसे शुभकामना देते हुए बधाई पत्र लिखिए।
8. आप भोपाल शहर में रह कर अध्ययनरत् है। अपने पिताजी को पत्र लिखिये जिसमें कुछ समय के लिए माताजी को आपके पास भेजने का आग्रह हो।
9. शरद पूर्णिमा निकट आ रही है। अपने मित्र के सथ बड़े तालाब में नौका विहार करने के लिए उसे आमंत्रण पत्र लिखिये।
10. अपने छोटे भाई को पत्र लिखिये जिसमें प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने के लाभ का उल्लेख हो।
11. छोटी बहन को पत्र लिखिये जिसमें पाठ्येत्तर अध्ययन से होने वाले लाभों का उल्लेख हो।
12. अपने छोटे भाई को पत्र लिखिये जिसमें वर्तमान समय में कम्प्यूटर के उपयोग का उल्लेख हो।
13. आपका मित्र परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है। उसे दुःखी न होते हुए और अधिक लगन और उत्साह के साथ आगामी वर्ष में परीक्षा की तैयारी हेतु मार्गदर्शन देते हुए संवेदना पत्र लिखिये।
14. आपके मित्र की रचना विद्यालय की वार्षिक पत्रिका में छपी है। उसे बधाई देते हुए पत्र लिखकर उसका उत्साहवर्धन कीजिए।

15. आपकी माताजी अस्वस्थ है। छोटी बहन को पत्र लिखिये जिसमें माताजी की सेवा सुश्रुशा के साथ गृह कार्य में हाथ बटाने का आग्रह हो।

16. आपकी बहन के पुत्र का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। अपनी बहन को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिये जिसमें पुत्र के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए संवेदना व्यक्त की गई हो।

17. अपने छोटे भाई के जन्म दिवस में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को पत्र लिखिये जिसमें कुछ समय पूर्व से उक्त अवसर पर सम्मिलित होने का आग्रह हो।

18. आप छात्रावास में रह रहे है, अध्ययन सम्बन्धी अपनी कार्य योजना पिताजी को अवगत कराते हुए उनसे उचित मार्गदर्शन प्राप्त कीजिये।

19. अपने मित्र को सांत्वना पत्र लिखिये वह एक दुर्घटना में घायल होकर अस्पताल में भर्ती है।

20. आपकी वार्षिक परीक्षा निकट है। अपने बड़े भाई को पत्र लिखकर मार्गदर्शन प्राप्त कीजिए कि आप गणित विषय के अध्ययन हेतु अध्ययन योजना किस प्रकार बनायें, आपका भाई एम.एससी. गणित है।

निबंध लेखन

वर्णनात्मक एवं समसामयिक विषय (10 अंक)

1. विद्यालय सहपाठियों के साथ चाँदनी रात में नौका विहार
2. विश्वकप का आँखोदेखा हाल
3. बाढ़ विभीषिका मुम्बई
4. अतिवृष्टि/ओलावृष्टि
5. कम्प्यूटर आज की आवश्यकता
6. वर्तमान में गुरू शिष्य सम्बन्ध
7. विद्यार्थी जीवन में पाठ्येत्तर साहित्य की भूमिका
8. स्त्री शिक्षा आज की आवश्यकता
9. राजनीति में स्त्री की भूमिका
10. परहित सरिस धरम नहीं माई
11. आवश्यकता आविष्कार की जननी है
12. विज्ञान और वर्तमान
13. विज्ञान की जीवन में उपयोगिता
14. विद्यार्थी जीवन में योग का महत्व
15. भारतीय किसान
16. दहेज प्रथा एक अभिशाप
17. पर्यावरण प्रदूषण एक समस्या
18. हरियाली और खुशहाली
19. साम्प्रदायिकता एक अभिशाप
20. युवा वर्ग और बेकारी की समस्या
21. प्राकृतिक आपदा भूकंप
22. मदिरा पान सामाजिक कलंक
23. लड़का–लड़की एक समान
24. जनसंख्या वृद्धि एक विकराल समस्या

25. जीवन में खेलों का महत्व

26. कम्प्यूटर विज्ञान का अद्‌भुत वरदान

27. पर्वतीय प्रदेश की रोमांचक यात्रा

28. दूरदर्शन की जीवन में उपयोगिता

29. मुड़ो प्रकृति की ओर

30. वन संरक्षरण

31. परिश्रम सफलता का मूल है

32. परहित सरिस धरम नहीं माई

33. समय का सदुपयोग

34. पराधीन सपने सुख नाहीं

35. मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

36. राष्ट्र भाषा हिन्दी

37. साहित्य और समाज

38. सत् संगति

39. साक्षरता आन्दोलन

40. दूरदर्शन लाभ और हानियाँ

41. मेरे सपनों का भारत

42. वर्तमान शिक्षा प्रणाली

43. सदाचार और अनुशासन

44. राष्ट्र के प्रति हमारा दायित्व

45. वृक्ष और हमारा दायित्व

46. पर्यावरण संरक्षण

47. जननी जन्म भूमि स्वर्ग से भी बढ़कर महान है

48. समाचार पत्र की उपयोगिता

49. साहित्य की शक्ति

50. प्रदूषण समस्या कारण और निदान